मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 25 अप्रैल 2025

संवत 2082, वैशाख कृष्ण 13 - मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 230 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ वन विभाग की आधारहीन चिंता

एक्ट्रेस जानकी बोदीवाला बनीं 'मर्दानी -3' की नई शेरनी, फैंस को बेसब्री से इंतजार ◀◀ 6

हजारीबाग में एक महिला और पुरुष का शव मिलने से सनसनी

मामले की जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता

हजारीबागः विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के जमुरी जरा गांव में शुक्रवार की सुबह एक महिला और एक पुरूष का शव बरामद किया गया है। मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस मृतकों की पहचान करने में जुटी है और जांच शुरू कर दिया है।

गांव में एक साथ दो-दो शव मिलने से सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने ही पुलिस को शव मिलने की सूचना दी। शव की पहचान नहीं होने से जांच में दिक्कत हो रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही मामले का खुलासा होगा।

नामकुम में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

हत्या या आत्म हत्या जांच में जुटी पुलिस

रांची : जिले के नामकुम थाना क्षेत्र के लदनापीढ़ी स्कूल के पास नदी किनारे शुक्रवार सुबह एक युवक का शव पेड़ से लटकता मिला है। शव अर्धनग्न अवस्था में था। शव मिलने की खबर से इलाके में हड़कंप मच गया । जानकारी के अनुसार, स्थानीय लोगों ने सुबह युवक का शव पेड़ से लटका देखा और तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही नामकुम थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। खबर लिखे जाने तक युवक की पहचान नहीं हो पायी थी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है, ताकि मृतक के बारे में जानकारी मिल सके। युवक ने आत्महत्या की है या फिर हत्या कर उसके शव को पेड़ पर लटका दिया गया है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इसका पता चल पायेगा।

नीट पेपर लीक का मास्टरमाइंड संजीव मुखिया अरेस्ट, एसटीएफ ने पटना से किया गिरफ्तार

पटनाः नीट पेपर लीक 2024 मामले में फरार चल रहे संजीव मुखिया को एसटीएफ ने पटना में गिरफ्तार किया है। संजीव मुखिया उर्फ लूटन पर तीन लाख रुपये का इनाम था। पटना में गुरूवार देर रात उसे अरेस्ट किया गया।

5 मई 2024 को हुए नीट पेपर लीक के बाद से संजीव मुखिया फरार चल रहा था। करीब 11 महीने के बाद एसटीएफ को उसे गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। संजीव मुखिया को नीट पेपर लीक मामले में अहम कड़ी माना जा रहा है। उसकी गिरफ्तारी के बाद इस मामले में कई और राज से पर्दा उठ सकता है और अन्य लोगों की भी गिरफ्तारी हो सकती है।

सूत्रों के अनुसार, ईओयू की विशेष टीम संजीव मुखिया से पूछताछ कर रही है। 5 मई 2024 को पेपर लीक करने के बाद वह फरार हो गया था। 11 महीने से पुलिस उसे तलाश रही थी। 11 मई 2024 को झारखंड के देवघर से पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें एक आरोपी चिंटू था, जो संजीव मुखिया का रिश्तेदार है। नेट पेपर और आंसर की पीडीएफ फाइल 5 मई की सुबह चिंटू के वॉट्सऐप से लीक हुई थी। लर्न एंड प्ले स्कूल के प्रिंटर से वाईफाई के जरिए कमांड देकर पेपर का प्रिंट लेकर अभ्यर्थियों को रटवाया गया था। संजीव मुखिया बिहार के नालंदा का रहने वाला है। वह कृषि कॉलेज में तकनीकी सहायक पद पर नौकरी करता है। उसकी मां यशोदा देवी नर्स रह चुकी है। संजीव के पिता जनकिशोर प्रसाद किसान हैं। संजीव की पत्नी ममता विधानसभा चुनाव लड़ चुकी है।

बहराइच में बड़ा हादसा : राइस मिल का ड्रायर फटा पांच मजदूरों की दम घुटने से मौत,तीन गंभीर

बहराइचः जिले के दरगाह थाना क्षेत्र के मोहल्ला गुलाम अलीपुरा स्थिति रजगढिया राइस मिल में ड्रायर फट गया। इससे काम कर रहे पांच मजूदरों की दम घुटने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान कन्नौज के गडवना सौर्य निवासी गफ्फार अली (40), बबलू (28), राजनेश कुमार (35), श्रावस्ती के सिरसिया निवासी जहूर (50) व बिहार के बिहारीगंज मदेहपुरा निवासी बिट्टू शाह (30) के रूप में हुई है। वहीं सुखदेव, देवी प्रसाद और सुरेंद्र शुक्ला का इलाज मेडिकल कालेज की इमरजेंसी में जारी है। दर्दनाक हादसे की सूचना पर डीएम मोनिका रानी, एसपी रामनयन सिंह, एएसपी नगर रामानंद कुशवाहा समेत आला अधिकारी इमरजेंसी पहुंचे है। एंगल की वेल्डिंग के दौरान गिरी चिंगारी, फिर हुआ धमाकाः डीएम मोनिका रानी की मौजूदगी में घायल सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि मिल में एक एंगल टूट गया था जिसकी वेल्डिंग हो रही थीं। इस दौरान चिंगारी गिरने से धान में आग लग गई। आग लगने के साथ ही जोरदार धमाका हुआ और सब तरफ धुआं धुआं हो गया।

पहलगाम हमले के संदिग्ध आतंकी आदिल के घर में ब्लास्ट, दूसरे आतंकी के मकान पर चला बुलडोजर

पहलगामः जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शामिल आतंकी आसिफ शेख के घर विस्फोट होने की खबर सामने आई है। जबकि दूसरे संदिग्ध के घर को बुलडोर से गिराया गया है।

दक्षिण कश्मीर के गुरी के एक गांव में सुरक्षा बलों ने चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान हुए विस्फोट से एक घर को क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों को कुछ संदिग्ध वस्तुएं दिखाई दीं। खतरे को भांपते हुए सुरक्षा बलों ने सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पीछे हट गए। हालांकि, पीछे हटने के कुछ ही देर बाद एक शक्तिशाली विस्फोट हुआ, जिससे घर को भारी नुकसान पहुंचा। बताया जा रहा है कि यह घर पहलगाम हमले में शामिल आतंकी आदिल का था।

वहीं, दक्षिण कश्मीर के त्राल में पहलगाम आतंकी हमले से जुड़े लश्कर आतंकी आसिफ शेख का घर ध्वस्त कर दिया गया। घर को जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने बुलडोजर से गिराया है। इससे इस बात का संदेह हो रहा है कि पहलगाम आतंकी हमले की साजिश लंबे समय से रची जा रही थी। सुरक्षा बलों को आशंका है कि मौके पर और विस्फोटक सामग्री हो सकती है, इसलिए पूरे क्षेत्र को सील कर तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है।

सावरकर मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहुल गांधी को फटकार

ठीक से व्यवहार करें, नहीं तो मुसीबत में...

स्वतंत्रता सेनानियों पर कोई टिप्पणी नहीं

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने वीर सावरकर पर की गई टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी को राहत तो दी इसके साथ ही फटकार भी लगाई है। अदालत ने राहुल की टिप्पणी को गैरजिम्मेदार बताया। राहुल गांधी को फटकार लगाते हुए अदालत ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ बयानों की इजाजत नहीं दी जाएगी। इस बार सावरकर हैं अगली बार कोई कहेगा कि महात्मा गांधी अंग्रेजों के नौकर थे। राहुल गांधी को चेतावनी देते हुए अदालत ने कहा कि अगर उन्होंने अगली बार ऐसी बयानबाजी की तो वह स्वतःसंज्ञा लेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को फटकार लगाते हुए कहा कि महाराष्ट्र में सावरकर की पूजा की जाती है। वह हमारे स्वतंत्रता सेनानी के खिलाफ नहीं बोल सकते। राहुल को नोटिस जारी करते हुए कोर्ट ने कहा कि वह ठीक से व्यवहार करें, नहीं तो मुसीबत में पड़ जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने पूछा कि इस तरह के बयान उन्होंने क्यों दिए. हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने वीर सावरकर पर की गई टिप्पणी मामले में राहुल गांधी को राहत देते हुए निचली अदालत में चल रही कार्रवाई पर रोक लगा दी।

'इतिहास पता होता तो ऐसी टिप्पणी नहीं करते': सुप्रीम कोर्ट ने अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा कि क्या राहुल गांधी को पता है कि महात्मा गांधी ने भी अंग्रेजों से संवाद में आपका वफादार सेवक' शब्द का इस्तेमाल किया था। जस्टिस दीपांकर दत्ता ने कंग्रेस नेता से कहा कि आपको इतिहास पता होता तो स्वतंत्रता सेनानियों के साथ ऐसा व्यवहार नहीं करते. उन्होंने पूछा कि एक राजनीतिक पार्टी के नेता होते हुए आप इस तरह की टिप्पणी क्यों करते हैं। महाराष्ट्र में जाकर उन्होंने सावरकर के खलाफ बयान दिया, जबकि वहां पर उनकी पूजा होती है। उनको ऐसा नहीं करना चाहिए.

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल को याद दिलाई दादी इंदिरा गांधी : जस्टिस दत्ता ने राहुल गांधी के वकील अभिषेक सिंघवी से कहा कि क्या आपके मुवक्किल को पता है कि उनकी दादी इंदिरा गांधी ने भी इस सज्जन (सावरकर) की प्रशंसा करते हुए एक पत्र भेजा था। अगर इतिहास पता होता तो वह स्वतंत्रता सेनानियों के साथ ऐसा व्यवहार नहीं करते।

मंत्री सुदिव्य सोनू को यह भी नहीं पता कि पहलगाम है कहां ?

घटना के लिए हिमाचल सरकार को जिम्मेवार ठहराते हुए मुख्यमंत्री से मांगा इस्तीफा

बाबूलाल ने कहा शर्मनाक

रांचीः राज्य सरकार के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू का बयान खूब वायरल हो रहा है जिसमें उन्होने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से इस्तीफा मांग रहे है। बीजेपी इस बयान के बहाने सरकार को घेर रही है। सुदिव्य कुमार सोनू ने पहलगाम हमले के लिए हिमाचल के मुख्यमंत्री से इस्तीफा मांग लिया। उन्होने कहा कि पहलगाम की घटना के लिए हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को इस्तीफा दे देना चाहिए, क्योंकि पहलगाम के नागरिकों की सुरक्षा करने में वह विफल रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार है और झारखंड मुक्ति मोर्चा से सुदिव्य कुमार सोनू मंत्री है, वह इंडिया गठबंधन के हिस्सा है और झारखंड में भी उसी गठबंधन की सरकार है। बाद में मंत्री ने कहा कि उन्होने जानबूझकर कहा कि पहलगाम हिमाचल में है, ऐसा क्यो कहा, इसका खुलासा कल करूंगा। शुक्रवार को मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने रांची के नेपाल हाउस स्थित अपने कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया है, संभव है उसमें इस मामले पर कोई बयान जारी करें। वहीं दूसरी ओर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के बयान पर बहुत तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि झारखंड के मंत्री का यह व्यंग्य उनके भीतर कूट- कूट भरे अहंकार एवं पागलपन को दर्शाता है। जब पूरा देश ही नहीं पूरा दुनिया के लोग पहलगाम हमले को लेकर सदमे में हैं, ऐसे समय में किसी मंत्री का यह फूहड़पन शर्मनाक है और उनके इस आचरण की जितनी भी निंदा की जाय वो कम है।

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में मुठभेड़

सेना ने लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष कमांडर अल्ताफ लल्ली को मार गिराया

नई दिल्लीः पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना एक्शन मोड में है। इस बीच सेना ने बंदीपोरा में बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर अल्ताफ लल्ली को मुठभेड़ में मार गिराया है।

पहलगाम में हमले को अंजाम देने वाले आतंकियों का स्कैच भी जारी किया गया है। पहलगाम अटैक की जिम्मेदारी भी लश्कर से जुड़े द रेजिस्टेंस फोर्स ने ली थी। बुधवार को आतंकवादियों ने 26 मासूम पर्यटकों को गोलियों से भून दिया था। 22 अप्रैल को हुए नरसंहार के बाद से ही घाटी में भारतीय सेना ने अभियान तेज कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शुक्रवार को आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना सेना को मिली थी। इसके बाद जम्मू और कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर साझा तलाशी अभियान चलाया गया। लोकेशन का पता लगने के बाद आतंकियों के साथ लंबी मुठभेड़ भी हुई।

नहीं सुधर रहा पाकिस्तान, अब एलओसी पर कई जगहों पर की फायरिंग, भारतीय सेना ने दिया मुंहतोड़ जवाब

जम्मू : जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर कुछ जगहों पर पाकिस्तानी सेना ने फायरिंग की, जिसका भारतीय सेना ने प्रभावी ढंग से जवाब दिया। भारतीय सेना ने कहा, ह्लपाकिस्तानी सेना ने एलओसी पर कुछ स्थानों पर छोटे हथियारों से फायरिंग की। भारतीय सेना ने इसका प्रभावी ढंग से जवाब दिया। कोई हताहत नहीं हुआ। अधिक जानकारी जुटाई जा रही है। बता दें कि आतंकवादियों द्वारा 26 नागरिकों की नृशंस हत्या के बाद दोनों देशों के बीच तनाव नए स्तर पर पहुंच गया है।

पहलगाम आतंकी हमले पर अपनी पहली प्रतिक्रिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा था कि आतंकियों, उनके हैंडलर्स और समर्थकों का पीछा किया जाएगा और दुनिया के किसी भी कोने में उनसे बदला लिया जाएगा। नागरिक हत्याओं के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों का पता लगाने और उनकी तलाश के लिए पहलगाम के बैसरन मैदान में चौथे दिन भी बड़े पैमाने पर आतंकवाद विरोधी अभियान जारी रहा। अन्य आतंकवाद विरोधी अभियानों में गुरुवार को उधमपुर जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में एक सैनिक शहीद हो गया। सेना ने बताया था कि विशेष खुफिया सूचना के आधार पर गुरुवार को बसंतगढ़ (उधमपुर) में जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ संयुक्त अभियान शुरू किया गया। संपर्क स्थापित किया गया और भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। शुरूआती मुठभेड़ में हमारे एक बहादुर जवान को गंभीर चोटें आईं और बाद में बेहतरीन चिकित्सा प्रयासों के बावजूद उनका बलिदान हो गया। ऑपरेशन जारी है। गुरुवार को कुलगाम जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच एक और मुठभेड़ शुरू हुई। आतंकवादियों के खिलाफ अभियान गोलीबारी के साथ शुरू हुआ, लेकिन शुक्रवार सुबह से गोलीबारी की कोई खबर नहीं है। सुरक्षा बलों ने गुरुवार को पुंछ जिले में आतंकवादियों के खिलाफ एक और अभियान शुरू किया। बैसरन मैदान हत्याकांड के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों का पता लगाने और उनकी तलाश के लिए पहलगाम क्षेत्र में बड़े पैमाने पर आतंकवाद विरोधी अभियान के अलावा वर्तमान में तीन ऑपरेशन चल रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

पेयजल व ओआरएस पाउडर का किया गया वितरण

चतराः जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव के निदेर्शानुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हंटरगंज में जिला विधिक सेवा प्राधिकार चतरा के तत्वाधान में गुरूवार की शाम में स्वास्थ्य शिविर सह पेयजल एवं ओआरएस पाउडर वितरण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन हंटरगंज प्रखंड कार्यालय के पीएलवी कुमार विवेक रंजन और सरयु यादव के द्वारा किया गया। जिसमे मुख्य रूप से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ वेद प्रकाश और कई स्वास्थ्य कर्मी शामिल हुए। इस दौरान श्रमिक मजदूरों के बीच पेयजल और ओआरएस पाउडर और घोल का वितरण किया गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर वेद प्रकाश के द्वारा मजदूरों को लू और डिहाइड्रेशन से बचने की जानकारी दी गई। वहीं विभिन्न बीमारियों के लक्षण और उसके बचाव के बारे में भी बताया गया। सभी श्रमिक मजदूरों के बीच ओआरएस पाउडर का वितरण किया गया। इस मौके पर काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

शहादत दिवस पर जीतराम बेदिया को किया नमन

मुरी : पूर्व प्रखंड प्रमुख कमल नाथ मांझी ने जीतराम बेदिया के शाहदत दिवस पर नमन करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित की। इनके बारे में कमल नाथ मांझी ने बताया कि इनका जन्म ओरमांझी प्रखंड के गगारी गांव में 1802 को हुआ था। अंग्रेजी हुकुमत के खिलाफ रहे उनके पिता जगतनाथ बेदिया की मृत्यु के बाद 1857 के विद्रोह के समय छोटानागपुर क्षेत्र में शहीद जीतराम टिकैत उमरांव सिंह, शेख भिखारी ने एक साथ मिलकर अंग्रेजों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। मद्रासी फौज के मेजर मेकडोनाल्ड ने तीनों को पकड़ने के लिए योजना बनाकर फौज भेजी। बाद में आठ जनवरी 1858 को शहीद टिकैत उमरांव सिंह और शेख भिखारी को गिरफ्तार कर फांसी दे दी गई। उस समय शहीद जीतराम अंग्रेजों की पकड़ से बाहर रहे और आंदोलन को जारी रखा। अपनी छापामार युद्ध कला और संगठनात्मक क्षमता के कारण जनता ने भी जीतराम का साथ दिया और कई बार लड़ाकू साथियों की मदद से अंग्रेजों पर धावा बोला और उनकी नींद हराम कर दी। 23 अप्रैल 1858 को गगारी और खटंगा गांव के बीच मेजर मेकडोनाल्ड की फौज ने जीतनाथ बेदिया और उनके साथियों को घेर लिया। आत्मसमर्पण नहीं करने पर मेजर के आदेश पर जीतराम बेदिया को उसके घोड़े सहित गोली मार दी गई और उनके शव व घोड़े के शव को साथ में एक गड्ढे में दफना दिया गया। इसके बाद से उक्त गड्ढा का नाम बांसैरगढ़ा से घोड़ागड्ढा पड़ गया।

पहलगाम घटना का विरोध : पाकिस्तान सरकार का पुतला जलाया

खूंटी : जिले में कल हिन्दू संगठनों द्वारा आहूत बंद के बाद शाम में खूंटी के नेताजी सुभाष चंद्र बोस चौक में पहलगाम की घटना के विरोध में पाकिस्तान सरकार का पुतला जलाया गया। साथ ही साथ मुर्शिदाबाद की घटना को लेकर और बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और बांग्लादेश के सरकार के मुखिया यूनुस खान का भी पुतला फूंका। और पाकिस्तान, बांग्लादेश और बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विरोध में जमकर नारेबाजी की और केंद्र सरकार से इसपर काड़ी करवाई कि मांग की। इस पूरे कार्यक्रम में विभिन्न हिन्दू संगठनों के साथ एकल अभियान की महिलाओं ने भी बढ़ चढ़ का भागीदारी की। पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के खिलाओ केंद्र सरकार के द्वारा लिए गए तत्काल निर्णय का स्वागत किया, और पाकिस्तान को कड़ी सजा देने की मांग की। इधर पुतला दहन से पूर्व पहलगाम नरसंहार के विरोध में पूरा खूंटी बंद रहा। एक भी दुकानें नहीं खुली। लोगों इस घटना का पुरजोर विरोध किया।

जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं वरिष्ठ पत्रकार परिजनों को है फरिश्ते का इंतजार

चतराः जिले के हंटरगंज प्रखण्ड क्षेत्र के तेतरिया गांव निवासी प्रभात खबर के पूर्व वरिष्ठ पत्रकार सह संवेदक विजय कुमार सिंह इन दिनों ज़िन्दगी और मौत से जूझ रहे हैं। इनका एक किडनी खराब हो गया है जबकि दूसरा किडनी मात्र 20% काम कर रहा है, ऐसे में इन्हें एक फरिश्ते की आवश्यकता है, जो इन्हें किडनी प्रदान कर सके। विजय की दोनों किडनी खराब हो जाने से परिजनों के ऊपर मानो दुखों का पहाड़ टूट गया है।परिजन विजय का इलाज हैदराबाद किम्स (कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज) हॉस्पिटल में रखकर करवा रहे हैं लेकिन कोई नतीजा नहीं निकल रहा है। चिकित्सकों ने जान बचाने के लिए किडनी ट्रांसप्लांट की बात कही है। परिजन किडनी देने को तैयार हैं । बावजूद परिवार का तमाम सदस्यों का किडनी मैच नहीं कर रहा है।परिजनों ने लोगों से सहयोग की अपील की है। सहयोग देने वाले 9142652950 पर संपर्क कर सकते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा-

आंबेडकर को अपमानित करने वाली कांग्रेस आदिवासियों के भी खिलाफ

संवाददाता

लोहरदगा : भाजपा नेता और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस को झारखंड विरोधी और आदिवासी विरोधी करार देते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा संविधान निर्माता डॉ भीमराव आंबेडकर का अपमान किया है। भाजपा के अनुसूचित जनजाति मोर्चा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए सोरेन ने कहा कि कांग्रेस नेता आंबेडकर से अपनी निकटता दिखाने के लिए संविधान की किताब को जेब में रखते हैं, लेकिन उनकी पार्टी ने ही आंबेडकर को दो बार लोकसभा चुनाव में हरवाया था।

'कांग्रेस ने आंबेडकर को कभी सम्मान नहीं दिया'ः अपने संबोधन में पूर्व सीएम ने आगे कहा कि उस समय के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने दोनों बार आंबेडकर के खिलाफ चुनावी अभियान चलाया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आंबेडकर को कभी सम्मान नहीं दिया। उन्हें 1990 में मरणोपरांत भारत रत्न तब मिला जब भाजपा समर्थित सरकार सत्ता में थी। सोरेन ने आगे कहा कि भाजपा संविधान को जेब में नहीं, दिल में रखती है। सोरेन ने अपने भाषण में कांग्रेस पर आरोप लगाया कि पार्टी ने 1961 में आदिवासियों की सरना धर्म संहिता को रद्द कर दिया और झारखंड आंदोलन के कार्यकर्ताओं पर गोलियां चलवाईं।

झामुमो पर भी साधा निशानाः इसके साथ ही बिना किसी पार्टी का नाम लिए चंपई सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जो भी पार्टी कांग्रेस के साथ गठबंधन करती है, वह आदिवासियों के हित में काम नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के समय, खासकर अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में, झारखंड राज्य का गठन हुआ। अगर वाजपेयी जी की सरकार नहीं होती, तो झारखंड कभी नहीं बनता।

धर्मांतरण और घुसपैठ पर जताई चिंता : चंपई सोरेन ने अपने संबोधन के अंत में संताल परगना क्षेत्र में आदिवासियों के धर्मांतरण और बांग्लादेशियों की घुसपैठ को लेकर चिंता जताई। साथ ही इसके लिए उन्होंने हेमंत सरकार को जिम्मेदार ठहराया। सोरेन ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर अभी नहीं जागे, तो हमारे सरना स्थलों पर पूजा करने के लिए कोई आदिवासी नहीं बचेगा।

आतंकवाद का धर्म नहीं होता तो फिर आतंकवादियों ने धर्म पूछकर गोलियां क्यों चलाईः सुनील सिंह

संच्वाददाता

रांचीः भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश मीडिया प्रभारी सह राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में इस्लामी आतंकवादियों द्वारा हिंदू सैलानियों की नृशंस हत्या अक्षम्य और अत्यंत निंदनीय है। इस बर्बर हमले ने देश को झकझोर के रख दिया है। धर्म के नाम पर निदोर्षों की हत्या करने वाले कायर आतंकवादी मानवता के सबसे बड़े दुश्मन हैं। हमें विश्वास है कि हमारी भारतीय वीर सेना ऐसे दुर्दांत अपराधियों को ऐसी सजा देगी, जिसे उनकी आने वाली पुश्तें भी याद रखेंगी। सुनील सिंह ने कहा कि आतंकवादियों ने सैलानियों को जिस बेरहमी से मारा है जिससे पूरा देश व्यथित व दुखी है, पूरे देश में उबाल है। कहा कि इस हमले की सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि पूरे दुनियां में निंदा हो रही है। इस हमला में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने अपना भाई , किसी ने जीवनसाथी खोया और किसी की टूटी सगाई । मै मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं, और जिन परिवारजनों का अभी इलाज चल रहा है, वह जल्द स्वस्थ हो ऐसी कामना ईश्वर से करता हूं।

उन्होंने कहा कि पहलगाम में जो कुछ हुआ वह सिर्फ एक आतंकवादी हमला नहीं, बल्कि एक सुनियोजित नरसंहार था। उन्होंने इसे मानवता के खिलाफ कायरतापूर्ण हमला बताया और कहा कि अब समय आ गया है मोमबत्ती जलाने से नहीं? पुतला दहन करने से नहीं? धरना प्रदर्शन करने से नहीं ? बल्कि दुश्मनों के घरों में घुसकर जवाब देने का ? तथा 28 निदोर्षों की बली का बदला 28 हजार आतंकवादियों को खत्म करके लेने का? कुछ लोग कहते हैं कि आतंकवादियों का कोई जाति धर्म नहीं होता? तो मैं वैसे लोगों से पूछना चाहता हूं कि फिर धर्म पूछकर गोली क्यों मारा गया? कहा कि देश को यह स्पष्ट संदेश देना होगा कि निदोर्षों का रक्त बहाने वालों को किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जाएगा? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं गृहमंत्री अमित शाह जी से हमारी अपील है कि वह कड़ी कार्रवाई करते हुए आतंकवादियों को जड़ से खत्म करें। तथा योगी मॉडल में ही ठोस कार्यवाही एवं एक्शन लें तब कहीं जाकर देशवासियों का विश्वास मजबूत होगा।

जागरूकता और जिले वासियों के सहयोग से मलेरिया की रोकथाम संभव : सिविल सर्जन

संवाददाता

चतराः विश्व मलेरिया दिवस को लेकर गुरुवार को सदर अस्पताल के सभागार में सिविल सर्जन डॉ दिनेश प्रसाद ने पत्रकारों को संबोधित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिविल सर्जन ने कहा कि हर साल 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस के रूप में मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य समुदायों को मलेरिया की रोकथाम और देखभाल के लिए जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि आम लोगों के बीच जागरूकता तथा जिले वासियों के सहयोग से ही जिले को मलेरिया मुक्त जिला बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मलेरिया दुनिया की सबसे पुरानी और घातक बीमारियों में से एक है। यह भारत में एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही मलेरिया से बचाव है। लोगों को अपने घरों व घर के आसपास किसी भी हाल में जल जमाव नहीं होने देना चाहिए। जल जमाव से मलेरिया होने की संभावना बनी रहती है। लोगों को सोने के समय मच्छरदानी का आवश्यक रूप से प्रयोग करना चाहिए। इन सब उपायों को अपना कर मलेरिया से बचा जा सकता है। जिला विभीडी कन्सलटेंट अभिमन्यु कुमार ने जिले में मलेरिया के वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जिले में मलेरिया में व्यापक सुधार हो रहा है। पिछले पांच वर्षों के आंकड़े देखा जाए तो वर्ष 2020 में कुल मलेरिया मरीजों की संख्या 173, पीएफ मलेरिया मात्र दो, 2021 में मलेरिया रोगियों की संख्या 183, पीएफ मरीज सात, 2022 में मरीजों की संख्या 167, पीएफ मरीज शून्य, 2023 में मलेरिया मरीजों की संख्या 117, पीएफ मरीज मात्र एक, 2024 में मलेरिया मरीजों की संख्या 108 तथा इस वर्ष अब तक मलेरिया मरीजों की संख्या मात्र छह चिन्हित हुए हैं। मौके पर डीआरसीएचओ डॉ एलआर पाठक, जिला महामारी नियंत्रण पदाधिकारी डॉ आशुतोष कुमार, मलेरिया सुपरवाइजर जीएम राजू, सहायक समरेश कुमार, राजेश सिंह, अरुण सिंह, रंजीत मिश्रा सहित अन्य कई चिकित्सक व कर्मी उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिविल सर्जन ने कहा कि हर साल 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस के रूप में मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य समुदायों को मलेरिया की रोकथाम और देखभाल के लिए जागरूक करना है।

एसबीआई पत्थलगड़ा शाखा कर्मी कुमार सौरभ की कार्यशैली की ग्रामीण कर रहें सराहना

संवाददाता

चतराः जिले के पत्थलगड़ा के एसबीआई शाखा में क्लर्क के पद पर कार्यरत कुमार सौरभ इन दिनों क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट कार्यशैली और सौम्य व्यवहार के चलते चर्चा का विषय बने हुए हैं। बैंक में आने वाले ग्राहकों के प्रति उनके सहयोगात्मक रवैये और स्पष्ट मार्गदर्शन ने उन्हें ग्रामीणों के बीच एक विश्वसनीय और लोकप्रिय चेहरा बना दिया है।बैंक में नियुक्त शाखा प्रबंधक विनीत अनुराग जोजो के साथ समन्वय बनाते हुए कुमार सौरभ ने बैंकिंग कार्यों को सरल और सुलभ बनाने में अहम भूमिका निभाई है। विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं और अशिक्षित ग्राहकों के लिए वे न केवल बैंकिंग सेवाओं को समझने में मदद करते हैं, बल्कि धैर्यपूर्वक प्रत्येक प्रक्रिया को समझाते भी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कुमार सौरभ की उपस्थिति से बैंक का माहौल काफी सकारात्मक हो गया है। लोगों को समय पर सहायता मिलती है और समस्याओं का समाधान तत्परता से किया जाता है।ग्रामीणों ने उन्हें धन्यवाद देते हुए कहा कि बैंक के प्रति अब उनका भरोसा और अधिक मजबूत हुआ है। कई लोगों ने सार्वजनिक रूप से भी उनका आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे कर्मचारियों की आवश्यकता पर बल दिया।

कुमार सौरभ की यह सेवा भावना और समर्पण निश्चित रूप से अन्य कर्मचारियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। बैंक प्रबंधन और क्षेत्रवासी दोनों ही उनके योगदान की भूरी-भूरी प्रशंसा कर रहे हैं।

सांसद कालीचरण सिंह का प्रयास लाया रंग

बरवाडीह, छिपादोहर और केचकी स्टेशन पर प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों का होगा ठहराव

संवाददाता

चतराः समग्र विकास के लिए संघर्षरत चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह का एक और प्रयास सफल हुआ है। बरवाडीह, खिपदोहर और लातेहार, केचकी रेलवे स्टेशनों पर एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव बहाल कर दिया गया है।रेलवे बोर्ड ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। सांसद श्री सिंह ने बताया कि इस निर्णय से क्षेत्रीय यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी। सांसद कालीचरण सिंह ने कहा कि जनता की सुविधा और मांगों को सर्वोच्च प्राथमिकता देना मेरा कर्तव्य है।सांसद श्री सिंह ने प्रेस बयान जारी करते हुए बताया कि खीपदोहर स्टेशन पर रुकने वाली ट्रेनें इस प्रकार हैःशक्तिपुंज एक्सप्रेस (11447) सुबह 10:32 बजे पहुंचेगी और 10:34 बजे रवाना होगी। शक्तिपुंज एक्सप्रेस (11448) रात 11:26 बजे पहुंचेगी और 11:38 बजे रवाना होगी। पलामू एक्सप्रेस (13347) रात 11:47 बजे पहुंचेगी और 11:49 बजे रवाना होगी। पलामू एक्सप्रेस (13348) सुबह 4:45 बजे पहुंचेगी और 4:47 बजे रवाना होगी। बरवाडीह जंक्शन पर रुकने वाली ट्रेनेंःझारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस (12873) सोमवार, मंगलवार और गुरुवार को शाम 6:46 बजे पहुंचेगी और 6:48 बजे रवाना होगी। झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस (12874) मंगलवार, बुधवार और शुक्रवार को दोपहर 1:09 बजे पहुंचेगी और दोपहर 1:11 बजे रवाना होगी। भोपाल साप्ताहिक एक्सप्रेस (13025) केवल सोमवार को रात्रि 10:27 बजे पहुंचेगी और रात्रि 10:29 बजे प्रस्थान करेगी। भोपाल साप्ताहिक एक्सप्रेस (13026) केवल गुरुवार को सुबह 3:16 बजे पहुंचेगी और 3:18 बजे रवाना होगी। मुंबई एलटीटी साप्ताहिक एक्सप्रेस (18009) केवल शुक्रवार को रात 10:27 बजे पहुंचेगी और 10:29 बजे रवाना होगी। मुंबई एलटीटी साप्ताहिक एक्सप्रेस (18010) केवल मंगलवार को सुबह 3:16 बजे पहुंचेगी और 3:18 बजे रवाना होगी।लातेहार स्टेशन पर रुकने वाली ट्रेनें, मुंबई एलटीटी साप्ताहिक एक्सप्रेस (18009) केवल शुक्रवार को रात 10:00 बजे पहुंचेगी और 10:02 बजे रवाना होगी। मुंबई एलटीटी साप्ताहिक एक्सप्रेस (18010) केवल मंगलवार को सुबह 3:45 बजे पहुंचेगी और 3:47 बजे रवाना होगी। केचकी स्टेशन पर रुकने वाली ट्रेनें, पलामू एक्सप्रेस (13347) दोपहर 12:10 बजे पहुंचेगी और 12:12 बजे रवाना होगी। पलामू एक्सप्रेस (13348) सुबह 4:23 बजे पहुंचेगी और 4:25 बजे रवाना होगी।

20 मई से शुरू होगी जैक 11वीं की बोर्ड परीक्षा
तीन लाख से ज्यादा विद्यार्थी होंगे शामिल

संवाददाता

रांची: झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने 11वीं की बोर्ड परीक्षा की तारीखों की घोषणा कर दी है। 20 मई से 22 मई तक राज्य में परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इस बार 789 केंद्रों पर परीक्षा ली जाएगी, जिसमें करीब 3.55 लाख छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। 11 वीं की बोर्ड परीक्षा में 5 विषयों में स्टूडेंट्स से बहुविकल्पीय प्रश्न (एमसीक्यू) पूछे जाएंगे। इस दौरान सभी विषय के लिए 40 अंकों के ऑब्जेक्टिव प्रश्न होंगे। इन प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थियों को ओएमआर शीट पर देना होगा। इस परीक्षा का आयोजन दो पाली में किया जाएगा।

13 मई से डाउनलोड कर सकते हैं एडमिट कार्ड: इस दौरान पहली पाली की परीक्षा का आयोजन सुबह 10:45 बजे से होगा, जबकि दूसरी परीक्षा दोपहर 2:00 बजे से होगी। विद्यार्थी 13 मई से जैक की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। विद्यार्थियों को 5 में से 4 विषयों में पास होना अनिवार्य है। इसके साथ ही परीक्षा के वक्त विद्यार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय प्रश्न पत्र पढ़ने के लिए मिलेगा। जैक सचिव जयंत मिश्रा ने बताया कि इस बार परीक्षा में हर विषय के लिए 10 अंकों का आंतरिक मूल्यांकन भी होगा। यह स्कूल प्रबंधन द्वारा तय फॉर्मेट में भरकर जैक को भेजा जाएगा। इसे 23 मई से 31 मई के बीच में वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा। नकल रोकने को लेकर दिए सख्त निर्देश: वहीं, परीक्षा में नकल रोकने के लिए भी सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। इसे लेकर सभी जिलों के अधिकारियों को कहा गया है कि परीक्षा केंद्रों पर जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। इसके साथ ही निर्देश दिया गया है कि परीक्षा समाप्त होते ही समय से ओएमआर शीट भेज दिया जाए। हालांकि, यह परीक्षा सीबीएसई की तुलना में देर से हो रही है। लेकिन जैक का लक्ष्य है कि परीक्षा के परिणाम जून के तीसरे सप्ताह तक जारी कर दिए जाए।

भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूलों के समय में किया गया परिवर्तन
अब 7 से 12 बजे तक ही चलेंगी कक्षाएं

रांची: राज्य में इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए सरकार ने स्कूलों के संचालन के समय में परिवर्तन किया है। शिक्षा विभाग के निर्णय के अनुसार वर्ग केजी से वर्ग आठ तक की कक्षाएं सुबह 7 बजे से पूर्वाहन 11:30 बजे तक संचालित होगी। वहीं क्लास 9 से 12 तक की कक्षाएं सुबह 7 बजे से दिन के 12 बजे तक संचालित की जाएगी।

विभाग द्वारा जारी निर्देश के अनुसार यह आदेश 26 अप्रैल से लागू होगा। इस आदेश के बाद राज्य में संचालित सभी कोटि के सरकारी, गैर सरकारी सहायता प्राप्त, गैर सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक सहित एवं सभी निजी विद्यालयों में नए समय निर्धारण के साथ कक्षाएं संचालित होंगी। सरकार के संयुक्त सचिव नंदकिशोर लाल के हस्ताक्षर से जारी चिट्ठी के बाद राज्य में संचालित सभी स्कूल अगले आदेश तक के लिए नए समय सीमा के अनुसार संचालित किए जाएंगे।

इस्तीफा दें अमित शाह : झामुमो

रांची: झारखंड की सत्तारूढ़ पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे 'इंसानियत की हत्या' करार दिया है। झामुमो के वरिष्ठ नेता विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि इस घटना में हिंदू या मुस्लिम नहीं, बल्कि इंसानियत की हत्या हुई है। पहलगाम में जिन पर्यटकों की हत्या की गई है, उनमें सिर्फ हिंदू नहीं बल्कि मुस्लिम, ईसाई एवं विभिन्न धर्मों के लोग शामिल हैं।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह इस्तीफा दें: विनोद कुमार ने इसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और मानवता को शर्मसार करने वाला बताया। पांडेय ने कहा कि इस प्रकार के नरसंहार की जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस हमले के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि भारत सरकार को ऐसा कदम उठाना चाहिए जिससे भविष्य में कोई भी आतंकवादी कश्मीर की ओर देखने की हिम्मत न कर सके। उन्होंने पहलगाम को देश और दुनिया के पर्यटकों के लिए एक सुरक्षित और लोकप्रिय स्थल बताया। साथ ही उन्होंने सवाल उठाया कि जब यह स्थान इतना संवेदनशील और लोकप्रिय है, तब हमले के वक्त वहां केंद्रीय सुरक्षा बलों की अनुपस्थिति पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। झामुमो नेता ने कहा कि इस हमले के बाद देशभर में गम और गुस्से का माहौल है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा में हुई इस चूक का जवाब धर्म नहीं हो सकता, बल्कि यह एक प्रशासनिक विफलता है। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देने की मांग की।

केंद्र सरकार ने पुलवामा जैसी घटनाओं से कोई सबक नहीं लिया: पांडेय ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने पुलवामा जैसे घटनाओं से कोई सबक नहीं लिया। अगर सबक लिया गया होता, तो पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों का इस तरह से कत्लेआम नहीं होता। उन्होंने बताया कि हमले के बाद स्थानीय कश्मीरियों - टैक्सी ड्राइवरों, होटल संचालकों और घुड़सवारों ने पर्यटकों की मदद कर उन्हें सुरक्षित घर पहुंचाने के लिए निःशुल्क व्यवस्था की।

आरकेडीएफ विवि, रांची के कुलपति को मिला इंडो-थाई पैरागॉन अवार्ड्स

मेट्रो रेज

रांची: आरकेडीएफ विवि, रांची के कुलपति को इंडो-थाई पैरागॉन अवार्ड्स से सम्मानित किया गया है। प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह, नोबल बॉन्ड - 2025 इंडो-थाई पैरागॉन अवार्ड्स, 12-13 अप्रैल 2025 को थाईलैंड के सियाम टेक्नोलॉजी कॉलेज में आयोजित किया गया। इस समारोह में कला, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए प्रतिष्ठित हस्तियों को सम्मानित किया गया। इसी श्रृंखला में, आरकेडीएफ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर शुचितांगशु चटर्जी को नोबल बॉन्ड - 2025 इंडो-थाई पैरागॉन अवार्ड्स से अनुसंधान में नवाचार के लिए लाइफ मेंबर अचीवमेंट नेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह एक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार है जो प्रोफेसर शुचितांगशु चटर्जी को उनके पूरे करियर में अनुसंधान के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान और नवाचारों के लिए दिया गया है । यह पुरस्कार अनुसंधान में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करता रहेगा। यह आयोजन भारत और थाईलैंड दोनों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आधुनिकता को दशार्ता है। नोबेल बॉन्ड - 2025 इंडो-थाई पैरागॉन पुरस्कार आने वाली पीढ़ियों को उनके प्रयासों की सराहना करने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। नोबेल बांड-2025 इंडो-थाई पैरागॉन पुरस्कार की सूचना जैसे ही विश्वविद्यालय को मिली तो विश्वविद्यालय में शिक्षकों एवं कर्मचारियों में काफी हर्ष एवं खुशी का माहौल व्याप्त हो गया तथा इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ। अमित कुमार पांडे ने कहा कि यह पुरस्कार विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए भविष्य में प्रेरणादायक साबित होगा।

सिरमटोली रैंप निर्माण को लेकर आमने-सामने स्थानीय नागरिक व प्रशासन, महिला इंस्पेक्टर से धक्का- मुक्की

- सिरमटोली टोली चौक के पास भारी संख्या में पुलिसबल तैनात
- मौके पर सिटी एसपी,एडीएम लॉ एंड ऑर्डर, कई डीएसपी और थानेदार भी हैं मौजूद

मेट्रो रेज

रांची: सिरमटोली फ्लाईओवर रैंप निर्माण कार्य फिर से शुरू होते ही बवाल हो गया। बीती देर रात आदिवासी संगठन के लोगों ने इसका जमकर विरोध किया। निर्माण कार्य कर रही कंपनी को काम करने से रोक दिया गया। जेसीबी के आगे लोग खड़े हो गये। बवाल इतना बढ़ गया कि कई थानों के थानेदार से लेकर डीएसपी और सिटी एसपी तक को स्पॉट पर जाना पड़ा। देखते ही देखते इलाका पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। इल्जाम है कि विरोध प्रदर्शन कर रही कुछ महिलाओं ने डोरंडा थानेदार दीपिका प्रसाद के साथ धक्का-मुक्की किया। मौके पर मौजूद प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने समझाने-बुझाने की बहुत कोशिश की पर कोई फायदा नहीं हुआ। रात के करीब 12 बजे हालात बिगड़ता देख कुछ लोगों को हिरासत में लेना पड़ा।

मामले को लेकर आज यानी शुक्रवार को कुछ संगठनों ने आपातकालीन बैठक बुलाई है। वहीं, पुलिस भी पूरी तरह से मुस्तैद है। इलाके में सुरक्षा के तगड़े इंतजाम किये गये। फोर्स पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। प्रशासन का कहना है कि यह फ्लाईओवर रैंप शहर के ट्रैफिक सिस्टम को बेहतर बनाने और सिरमटोली क्षेत्र में जाम की समस्या से निजात दिलाने में काफी मददगार साबित होगा। प्रशासन ने आमजनों से सहयोग की अपील की है।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा आमन्त्रण सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक, इंजीनियरिंग, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमो के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्रो मे निविदा निम्न कार्यो के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है:- ई-निविदा सूचना सं. 2025-26: 09 कार्य का नाम व स्थान: Various activities of track related work & extension bridges work in C/W provision of Standard III work at 15 stations on SMR-BME-MBF section under ADEN/Barmer of Jodhpur Division. अनुमानित लागत रूपये: 8,62,81,236.32 बयाने की राशि रूपये: 5,81,300.00 ई-निविदा सूचना सं. 2025-26: 10 कार्य का नाम व स्थान: Replacement of Steel Channel Sleepers by H-Beam Sleepers on Important & Major Girder Bridges No.54 & 81 on Samadari-BhilDi Section & Br-No-35 on SMR-BME section in the Jurisdiction of Sr.DEN/West of Johpur Division अनुमानित लागत रूपये: 4,27,58,530.11 बयाने की राशि रूपये: 3,63,800.00 ई-निविदा सूचना सं. 2025-26: 11 कार्य का नाम व स्थान: Replacement of Steel Channel Sleepers by H - Beam Sleepers on Important & Major Girder Bridges No-107, 122, 127, 129, 147 on Samadari - Bhildi Section in the Jurisdiction of ADEN/Samdari of Jodhpur Division अनुमानित लागत रूपये: 4,26,25,622.71 बयाने की राशि रूपये: 3,63,100.00 ई-निविदा सूचना सं. 2025-26: 12 कार्य का नाम व स्थान: Running, maintenance of existing automatic RO plant having capacity 5000 Litre per hour at Samdari, Marwar Bhinmal, Dhanera & Munabao stations in the Jurisdiction of Sr. DEN/West of Jodhpur Division. (For 03 Years) अनुमानित लागत रूपये: 25,28,739.36 बयाने की राशि रूपये: 50,600.00 ई-निविदा सूचना सं. 2025-26: 14 कार्य का नाम व स्थान: Dewatering in waterlogging prone LHS in the jurisdiction of Sr. DEN/West Jodhpur (Total 124No. RUBs ADEN/SMR=99 & ADEN/BME=25) for 01 year अनुमानित लागत रूपये: 1,21,47,794.10 बयाने की राशि रूपये: 2,10,700.00 निविदा सूचना संख्या 09,10,11,12 & 14 of 2025-26 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 13/05/2025 को 1500 बजे तक है। वेबसाईट का विवरण जहाँ पर ई-निविदा देखी व भरी जा सकती है – www.ireps.gov.in 460-AJ/25

अजीम प्रेमजी विवि ने 2026 के लिए डेवलपमेंट लीडरशिप में पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा की प्रवेश प्रक्रिया शुरू की

रांची: अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु ने डेवलपमेंट लीडरशिप प्रोग्राम में पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा में प्रवेश की प्रक्रियाएं शुरू कर दी हैं।

प्रोग्राम की खासियत : यह डिप्लोमा 11 महीनों का एक पार्ट टाइम प्रोग्राम है। इसे ऐसे डिजाइन किया गया है कि एडमिशन लेने वाले लोग अपने मौजूदा काम और अपने जॉब को जारी रखते हुए इसे पूरा कर सकें। तीन सत्रों का यह प्रोग्राम कैम्पस में पढ़ाई और ऑनलाइन लर्निंग का एक बेहतरीन मेल है।

किसे प्रवेश लेना चाहिए? : यह प्रोग्राम मध्य से वरिष्ठ स्तर के पेशेवर लोगों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। यह उन पेशेवर लोगों के लिए है जो डेवलपमेंट सेक्टर में आठ या उससे अधिक सालों का अनुभव रखते हैं और अपनी संस्थाओं में नेतृत्वकारी भूमिका में हैं या जल्दी ही ऐसी भूमिका ग्रहण करने वाले हैं। यह उन लोगों के लिए भी है, जो ठऋड, सामाजिक गतिविधियों और जमीनी संस्थाओं में काम कर रहे हैं।

Azim Premji University

स्कूल ऑफ डेवलपमेंट की डायरेक्टर अरिमा मिश्रा ने कहा कि यह प्रोग्राम डेवलपमेंट सेक्टर के मध्य और वरिष्ठ स्तर के पेशेवरों को विकास के व्यापक परिप्रेक्ष्य में अपने अनुभवों को देखने-समझने और उन्हें लागू करने का मौका देता है। अपने काम को बेहतर ढंग से करने और नेतृत्व की अपनी क्षमताओं को बढ़ाने में यह प्रोग्राम ऐसे पेशेवरों की मदद करता है।

महत्वपूर्ण तिथियाँ

- प्रवेश 2026	कार्यक्रम
आवेदन की अंतिम तारीख	मई 31, 2025
-लिखित असाइनमेंट और इंटरव्यू	जून-जुलाई 2025
- कक्षा शुरू जनवरी,	2026 का पहला सप्ताह

*तिथियाँ संभावित हैं

डीपीएस रांची की छात्रा अल्विका राज को जेईई-मेंस में मिला 99.93 प्रतिशत अंक

रांची: वसुंधरा क्रेस्ट, पटेल नगर रोड नंबर 10, हटिया निवासी जितेश कुमार प्रियंकल व ऋचा की सुपुत्री अल्विका राज ने जेइइ मेन्स परीक्षा में 99.93 प्रतिशत अंक लाकर शानदार सफलता हासिल की है। अल्विका ने डीपीएस, रांची से मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की है। वर्तमान में वह कोटा राजस्थान में जेईई एडवांस की तैयारी कर रही है। अल्विका राज की सफलता पर उनके परिजनों, शिक्षकों, शुभचिंतकों ने बधाई दी है।

एकादशी पर हरमू रोड़ अवस्थित श्याम बाबा मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़

विनय मिश्रा

रांची: हरमू रोड़ अवस्थित श्याम बाबा मंदिर में एकादशी के अवसर पर भक्तजनों के विशाल जनसमूह ने श्याम बाबा की विशेष पूजा अर्चना की। गौरतलब हो कि यूँ तो प्रतिदिन ही लोग श्याम बाबा के दर्शन करने आते हैं किंतु एकादशी के दिन व्यापक रूप से भक्तजनों की उपस्थिति होती है।

संकट मोचन हनुमान मंदिर का 11 वां वार्षिकोत्सव समारोह कलश शोभा यात्रा के साथ शुरू

मेट्रो रेज

रांची: संकट मोचन हनुमान मंदिर समिति,शिव शक्ति नगर,न्यू मधुकम रोड नंबर 05 एच के तत्वावधान मे संकट मोचन हनुमान मंदिर का 11वां वार्षिकोत्सव समारोह आज कलश शोभा यात्रा के साथ शुरू हो गया। यह कलश शोभा यात्रा संकट मोचन हनुमान मंदिर शिव शक्ति नगर से निकला जो चुना भट्ठा,रानी सती मंदिर,खादगढ़ा से पुनःवापस संकट मोचन हनुमान मंदिर आया जिसमें हजारों महिला एवं पुरुष शामिल हुए। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी राहुल चौधरी,टिंकू चौधरी,सोनू श्रीवास्तव,छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा मौजूद थे।

03 दिवसीय वार्षिकोत्सव समारोह की पूजा अर्चना मंदिर के पुजारी युगल पाठक,मुकेश पंडित,अरविंद पांडे द्वारा विधि विधान से कराई जा रही है। 26 अप्रैल को प्रातः वेदी पूजन, शिखर पूजन,सुंदर कांड एवं महाआरती,27 अप्रैल को पूणार्हुति एवं महाभंडारा होगा।

इस समारोह को सफल बनाने में मुहल्ले के राजेश सोनी, सुनीता झा,सीमा देवी,संजू देवी, मीणा सिंह,शिबू कुमार,अनुज झा,प्रतीक सोनी, मुकेश झा,पीयूष सोनी,अनिल शर्मा, विकाश कुमार सोनी,प्रेम वर्मा,ऋतिक सोनी,राहुल वर्मा, शिवम कुमार,अरुण मिस्त्री व अन्य सहयोग कर रहे हैं।

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, खूँटी।
(खेल शाखा)
(Email ID – dsokhunti2017@gmail.com)

अति अल्पकालिन निविदा आमंत्रण (संशोधित आदेश)

जिला खेल कार्यालय ,खूँटी के ज्ञापांक 140/क्रीडा दिनांक 15.04.25 के द्वारा खूँटी जिले के अंतर्गत संचालित कुल-01 (एक) आवासीय क्रीडा प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षणार्थियों के लिए विभाग द्वारा निर्धारित मेन्यू के अनुरूप 350 रू० (सभी कर सहित) प्रति खिलाड़ी प्रतिदिन के दर से शुद्ध, स्वच्छ एवं गुणवत्ता पूर्ण पौष्टिक भोजनादि की व्यवस्था करने हेतु इच्छुक कैटरर से दिनांक 15.04.25 से 26.04.25 तक निविदा आमंत्रित की गयी है। उक्त निविदा में तकनिकी बीड (लिफाफा – I A) के क्रमांक 10. में वर्णित शर्त वित्तीय वर्ष 2022-23, 2023-24, 2024-25 आयकर रिटर्न (ITR) की स्वहस्ताक्षरित छायाप्रति के स्थान पर असेसमेंट वर्ष 2022-23, 2023-24, 2024-25 आयकर रिटर्न (ITR) की स्वहस्ताक्षरित छायाप्रति पढ़ा जाय। साथ ही दिनांक 26.04.2025 के स्थान दिनांक 28.04.2025 को पूर्वाहन 11:30 बजे विकास भवन में उप विकास आयुक्त, खूँटी के कार्यालय कक्ष में निविदा निष्पादन समिति की उपस्थिति में निविदा खोला जायेगा। उक्त निविदा में शेष वर्णित शर्तें यथावत रहेंगी। पूर्व में प्रकाशित निविदा का PR सं०-350420 है।

ह०/-
जिला खेल पदाधिकारी, खूँटी।

PR 350944 (District) 25-26 (D)

सुविचार

मेहनत अगर आदत बन जाए, तो सफलता ही तकदीर बन जाती है।

दोनों का हो फायदा

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का दौरा भारत के लिए एक बड़ा मौका है। दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए बातचीत की रूपरेखा तय कर ली है। भारत में अमेरिका अपनी कंपनियों के लिए पूरी तरह मुक्त बाजार चाहता है। लेकिन नई दिल्ली को अमेरिका के साथ व्यापारिक रिश्ते को आगे बढ़ाते हुए यह भी ख्याल रखना होगा कि उसका अपना हित प्रभावित न हो सकारात्मक माहौलः अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने में भारत को भले न बख्शा हो, लेकिन चीन, वियतनाम, बांग्लादेश जैसे देशों की तुलना में नरमी जरूर दिखाई। चीन के 245% के मुकाबले ट्रंप ने भारत पर 26% टैरिफ लगाया और इसे भी 90 दिनों के लिए रोक दिया है। टैरिफ के इसी अंतर को कई एक्सपर्ट भारत के लिए बड़ा मौका बता रहे हैं। इस बुधवार से वॉशिंगटन में ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर दोनों देशों के वातार्कार आमने-सामने बैठेंगे। इससे पहले वेंस की यात्रा बातचीत के लिए पॉजिटिव माहौल बनाने में मदद करेगी। ट्रंप अपने मेक अमेरिका ग्रेट अगेन कैंपेन को लेकर बहुत आक्रामक हैं। उनके प्रशासन का कहना है कि ट्रेड डील के जरिये अमेरिका व्यापार में संतुलन कायम करना चाहता है। लेकिन, इस संतुलन की एवज में जो मांगें की जा रही हैं, उन्हें भारत पूरी तरह स्वीकार नहीं कर सकता, मसलन - अमेरिकी ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए बाजार खोल देना। देश के उपभोक्ताओं, दुकानदारों-व्यापारियों से जुड़ी कुछ चिंताएं हैं, जिन्हें भारत को अमेरिका के सामने रखना होगा। भारत में बड़ी संख्या में छोटी दुकानों से लोगों को रोजगार मिला हुआ है, इसलिए परंपरागत रूप से ये लोग दिग्गज अमेरिकी ईकॉमर्स कंपनियों के विरोधी रहे हैं। इन दुकानदारों के हितों को सुरक्षित रखने के लिए केंद्र सरकार ने ईकॉमर्स से संबंधित नियमों में पहले बदलाव भी किए थे। इसके साथ अमेरिका अगर कृषि उत्पादों, मीट प्रॉडक्ट्स को लेकर भारत पर दबाव बनाता है तो भारतीयों हितों को संरक्षित रखना होगा। भारत में कृषि क्षेत्र राजनीतिक रूप से भी बहुत संवेदनशील है। इस तरह के मामलों में भारत को अपना रुख समझाना होगा। आज ट्रंप टैरिफ को लेकर भले ही चीन-भारत समेत दुनिया पर दबाव बना रहे हैं, लेकिन उन्हें दोस्त की भी जरूरत है। उनके लिए भारत, चीन का विकल्प हो सकता है। भारत और अमेरिका ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 बिलियन डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। द्विपक्षीय समझौते से इसकी जमीन तैयार की जा सकती है।

भेदभाव के खिलाफ

मोहन भागवत ने 'एक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान' की अपील की है। यह अपील हिंदू समाज में जातिवाद की गहरी जड़ों को दशार्ती है। दलितों पर अत्याचार की घटनाएं सामने आती रहती हैं। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को हजारों शिकायतें मिली हैं। संघ समाज में विभाजन को खत्म करने की अपील करता है। संघ प्रमुख मोहन भागवत का 'एक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान' की अपील करना बताता है कि हिंदू समाज में जाति का दंश अब भी कितना गहरा है। जातीय पहचान को सम्मान से जोड़कर देखा जाता है और इसकी वजह से बदलाव बहुत धीमा है। ऐसे में भागवत का बयान स्वागतयोग्य है। सामाजिक रूढ़ियों के अलावा राजनीतिक वजहों ने भी देश में जाति को कभी मरने नहीं दिया। यही वजह है कि आज भी दलित दूल्हे का घोड़ी चढ़कर जाना कई लोगों को रास नहीं आता। आगरा की एक घटना सामने है, जहां आरोप है कि दलित दूल्हे को पीटा गया। पिछले साल एमपी के दमोह में बग्घी पर बैठने पर दलित दूल्हे के साथ मारपीट की गई थी। यहां तक कि मंदिर भी भेदभाव से अछूते नहीं। पिछले ही महीने पश्चिम बंगाल के गिधाग्राम स्थित एक शिव मंदिर में दलित समुदाय को सदियों बाद प्रवेश मिला, तो तमाम लोग नाराज हो गए। सबसे बड़ी समस्या है कि देश में जाति से जुड़े भेदभावों को एक बड़ा तबका अब भी गलत नहीं मानता। उसकी नजर में यह स्वाभाविक व्यवहार है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने पिछले साल अक्टूबर में एक आरटीआई के तहत पूछे गए सवाल के जवाब में बताया था कि चार साल के भीतर उसके पास 47 हजार से ज्यादा शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें दलितों के खिलाफ अत्याचार, भूमि विवाद और सरकारी नौकरियों से संबंधित मुद्दे प्रमुख रहे। इस तरह की घटनाएं जाहिर करती हैं कि समरसता का सपना अभी दूर है। इन हालात में अगर संघ, समाज में गहरे पैठ बना चुके विभाजन को खत्म करने की अपील और सामूहिक पहचान पर जोर देता है तो इसे सकारात्मक रूप में लेना चाहिए। संघ प्रमुख ने त्योहारों को साथ मिलकर मनाने और सभी को अपने घरों पर आमंत्रित करने के लिए कहा है। पर्व-त्योहार वैसे भी लोगों को करीब लाते हैं। इन मौकों का इस्तेमाल भेदभाव के खिलाफ किया जाए, तो परिवर्तन आ सकता है। भागवत ने कहा है कि शांति और समृद्धि के मामले में दुनिया भारत की तरफ देख रही है। स्वयंसेवकों को हर घर में एकता और भाईचारे की भावना जगाने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए। समाज खुद नहीं बदल सकता। वाकई ऐसा ही है, जातियों के खांचों को तोड़ने और समाज को बदलने के लिए लगातार व सामूहिक प्रयास की जरूरत है। इसमें किसी तरह के राजनीतिक या वैचारिक मतभेद को आड़े नहीं आने देना चाहिए। भारत इस समय दुनिया में एक नया मुकाम हासिल करने की तरफ बढ़ रहा है, लेकिन यह तभी संभव है जब जातियों के नाम पर एक-दूसरे से लड़ने के बजाय मिलकर काम किया जाए।

वन विभाग की आधारहीन चिंता

13 जनवरी से पहले यदि आजीविका के लिए वन भूमि का प्रयोग किया जा रहा है या आवास और पशुशाला आदि बनाई है तो उतनी वन भूमि पर, आदिवासी और अन्य वन निर्भर समुदायों को इस्तेमाल का हक प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा सामुदायिक रूप से वनों में जो बरतनदारी हक, परंपरा से इन समुदायों को छूट के रूप में प्राप्त है।

कुलभूषण उपमन्यु

बड़ी मुश्किल से 17 साल बाद हिमाचल प्रदेश सरकार जागी, तो वन विभाग नाहक ही चिंता ग्रस्त हो गया। वन अधिकार कानून 2006 दो साल बाद दो हजार आठ में अधिसूचित होने के बाबजूद आज तक लागू किए जाने को तरस रहा था। यह कानून संसद द्वारा वनवासी और अन्य वननिर्भर समुदायों के प्रति ब्रिटिश हुकूमत में किए गए ऐतिहासिक अन्याय को दूर करने के लिए इन समुदायों की वनों पर निर्भरता को ध्यान में रखते हुए वनों पर कानूनी रूप में कुछ अधिकार देने की बात करता है, जिसमें 2005 की 13 जनवरी से पहले यदि आजीविका के लिए वन भूमि का प्रयोग किया जा रहा है या आवास और पशुशाला आदि बनाई है तो उतनी वन भूमि पर, आदिवासी और अन्य वन निर्भर समुदायों को इस्तेमाल का हक प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा सामुदायिक रूप से वनों में जो बरतनदारी ह्क, परंपरा से इन समुदायों को छूट के रूप में प्राप्त है, उन्हें कानूनी अधिकार के रूप में दिए जाने का प्रावधान है। बरतनदारी में वनों के प्रबंधन की जिम्मेदारी देने के साथ इनके संरक्षण संवर्धन का कर्तव्य भी निर्धारित किया गया है। स्थानीय विकास के लिए जरूरी वन भूमि के हस्तांतरण की प्रक्रिया भी वन संरक्षण अधिनियम की लंबी प्रक्रिया से बाहर निकाल कर इस कानून के तहत आसान की गई है, जिसके लिए दिल्ली की ओर देखने की जरूरत नहीं बल्कि वन अधिकार समिति की संस्तुति से वन मण्डल अधिकारी के स्तर पर ही एक हेक्टेयर तक भूमि का स्थानीय विकास की 13 मदों के लिए हस्तांतरण किया जा सकता है बशर्ते उसमें 75 से ज्यादा पेड़ न आते हों। इस तरह यह कानून न केवल आदिवासी और अन्य वन निर्भर समुदायों की आजीविका का संरक्षण करता है बल्कि वन संरक्षण कार्य में स्थानीय जन सहयोग को बढ़ा कर वन संरक्षण कार्य को भी मजबूत करता है। स्वयं वन विभाग भी वन संरक्षण में जन सहयोग के लिए साझा वन योजना जैसे प्रयोग सफलता पूर्वक कर चुका है। हालांकि यह प्रयोग अनमने भाव से ही किए गए थे फिर भी परिणाम उत्साह वर्धक रहे हैं। इसलिए कोई कारण नहीं है कि उक्त अधिनियम के अंतर्गत कानूनी तौर पर प्रबंधन के अधिकार मिलने पर, समुदाय कामयाब नहीं होगा। बल्कि कानूनी तौर पर पूर्ण सशक्त होने पर सामुदायिक प्रबन्धन बहुत सफल होगा। आखिर पंचायतों को भी जब संवैधानिक संस्था का दर्जा दिया गया तो सारा कार्य सफलता पूर्वक संभाल ही रही हैं। फिर किसी को खुली छूट भी तो दी नहीं जा रही है। बल्कि वन प्रबंधन समितियों को नियम कानूनों के प्रति जवाबदेह बनाने की व्यवस्था है। पिछले दिनों जब हिमाचल प्रदेश सरकार ने जनजाति विकासमंत्री जगत सिंह नेगी के नेतृत्व में वन अधिकार कानून को लागू करने के लिए मिशन मोड में कार्य शुरू किया तो वन विभाग सकते में आ गया। एक पत्र जिलाधीशों, मुख्य अरण्यपालों, और वन मंडल अधिकारियों को जारी किया गया, जिसमें तथाकथित दिशा-निदेशों की बात की गई है, जबकि कानून को लागू करने का काम वन अधिकार अधिनियम के तहत जनजातीय विभाग को सौंपा गया है। वन विभाग का काम केवल साझा निरीक्षण में हाजिर होना है या उपमंडल समितियों और जिला स्तरीय समितियों में सहयोग देना है। दिशा-निर्देश तो पहले ही एक्ट, नियम और केन्द्रीय दिशा निदेशों के रूप में आ चुके हैं। अब सवाल यह पैदा होता है कि इस समय, जब सरकार इस कानून को लागू करने के प्रति गंभीरता से काम करने जा रही है तो विभाग की ओर से यह पत्र क्यों जारी किया गया। सत्रह साल तक विभाग को यह याद क्यों नहीं आई। फिर वीडियोग्राफी करने और सैटेलाइट फोटो का प्रयोग करने के सुझाव क्यों दिए गए जबकि एक्ट में उनका कोई जिक्र नहीं है।

इससे साफ यह शक जाहिर होता है कि वन विभाग अब फिर इस कानून को लागू करने के काम में अड़ंगा लगाना चाहता है। पत्र में कोनिफर पेड़ों की ही चिंता जाहिर की गई है, यानि टिंबर देने वाले पेड़ ही इनके लिए पेड़ हैं। ऊंचाई पर भी क्लाइमेक्स जंगल में तो बान, बुरांस, खरशु, मोहरू, चिरन्दी जैसे अनेक वृक्ष प्रजातियां हैं। उनको तो ये लोग कोयला जलाने के लिए काट कर खुद नष्ट करते रहे हैं और उनके रोपण की भी कोई कोशिश नहीं की जाती थी। अभी कुछ वर्षों से ही ये प्रयास शुरू हुए हैं। अभी भी कितना सफल होते हैं पता नहीं। शिवालिक के सघन मिश्रित वनों को गर्डलिंग करके सुखाया गया और चीड़ के वनों में बदल दिया गया। यह काम सुधार वानिकी के नाम पर किया गया। इसी कारण वन्य प्राणी जंगली फलों और चारे के अभाव में खेतों में अत्यधिक नुकसान करने लग गए हैं, जिससे स्थानीय आजीविका का कितना नुकसान हुआ इसका आकलन तक नहीं किया गया है।

असल में ये लोग अभी तक भी उपनिवेशवादी मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाए हैं। जंगल पोलिसिंग से नहीं बचे हैं लोगों के सहयोग और जागरुकता से बचे हैं। उपनिवेशवादी प्रबंधन ने ही लोगों को वनों से दूर किया था। उनको फिर से वनों के साथ जोड़ने का यह कानून मौका देता है, जिसका लाभ होगा। डरने की जरूरत नहीं बल्कि मिलकर बेहतर वन प्रबंधन विकसित करने पर ध्यान देने की जरूरत है। वन विभाग यदि अपनी विशेषज्ञता का उपयोग आने वाले समय में आजीविका वानिकी की ओर करे तो बेहतर होगा. ऐसे वन जो बिना काटे रोजी रोटी दे सकें, वही संरक्षित पर्यावरण की गारंटी हैं। टिंबर देने वाले पेड़ तो कट कर ही कुछ दे सकते हैं। इसलिए मिश्रित जंगल लगाने की ओर ध्यान दिया जाए और वन अधिनियम को लागू करने में सहयोग देकर ग्राम समुदायों को वन संरक्षण और विकास के काम में जोड़ने की दिशा में काम किया जाए।

(लेखक, पर्यावरणविद् और हिमाचल प्रदेश के चंबा के सुदूर गांव में रहते हैं।)

एशिया-अफ्रीका मैत्री का प्रतीक बांडुंग

बांडुंग सम्मेलन को विशेष रूप से एशियाई-अफ्रीकी सम्मेलन के नाम से जाना जाता है। यहां के एक नागरिक पोपोंग ओत्जे जुंजुनन ने चीनी समाचार एजेंसी जिन्हुआ से उस सम्मेलन को विशेष रूप से याद करते हुए कहा कि 1955 में जब यह ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ था, तब बांडुंग आज के इंडोनेशिया से बिल्कुल अलग तरह का था। इस सम्मेलन में एशियाई-अफ्रीकी देशों ने उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद से मुक्ति की साझा भावना के साथ 29 देशों और क्षेत्रों के राष्ट्रपति,

उमेश चतुर्वेदी

इंडोनेशिया का खूबसूरत शहर है बांडुंग... बांडुंग की जो चीज लोगों को सबसे ज्यादा पसंद है, वह है शहर का ठंडा मौसम...शायद इस शहर की ठंडी तासीर ही थी कि शीत युद्ध की गर्मी के खिलाफ अफ्रीका और एशिया के देशों ने ठीक सत्तर साल पहले 1955 में यहां जुटान रखी और दो ध्रुवों में तब बंटी दुनिया की बजाय अपनी अलग राह चुनी। बीते 18 अप्रैल को इस शहर ने एशिया-अफ्रीकी संबंधों और आपसी सहयोग की नई नींव रखने की सतरवीं सालगिरह मनाई है। सत्तर साल पहले इस आयोजन को बांडुंग सम्मेलन कहा जाता है।

इसी सम्मेलन के छह साल बाद 1 से 6 सितंबर, 1961 के बीच तत्कालीन यूगोस्लाविया की राजधानी बेलग्रेड में गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी गई।

बांडुंग सम्मेलन को विशेष रूप से एशियाई-अफ्रीकी सम्मेलन के नाम से जाना जाता है। यहां के एक नागरिक पोपोंग ओत्जे जुंजुनन ने चीनी समाचार एजेंसी जिन्हुआ से उस सम्मेलन को विशेष रूप से याद करते हुए कहा कि 1955 में जब यह ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ था, तब बांडुंग आज के इंडोनेशिया से बिल्कुल अलग तरह का था। इस सम्मेलन में एशियाई-अफ्रीकी देशों ने उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद से मुक्ति की साझा भावना के साथ 29 देशों और क्षेत्रों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और नेता एकत्रित हुए थे। जिसकी अध्यक्षता इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो ने की थी और इसमें एशिया से 23 और अफ्रीका से 6 देश शामिल थे।इस बीच इंडोनेशिया ने शिक्षा, अर्थव्यवस्था और परिवहन में प्रगति के माध्यम से पिछले सात दशकों में उल्लेखनीय प्रगति की है। इसी दौरान इंडोनेशिया-चीन सहयोग के चलते जकार्ता-बांडुंग हाई-स्पीड रेलवे चल रही है। जिसकी वजह से दोनों शहरों की दूरी अब चार घंटे की बजाय महज 30 मिनट में पूरी हो जाती है। पोपोंग ने हाल ही में बांडुंग स्थित अपने घर पर शिन्हुआ को बताया, ₹इसी बांडुंग सम्मेलन के बाद तकरीबन सभी देशों से उपनिवेशवाद खत्म हो गया है और अब एशियाई और अफ्रीकी देश आर्थिक और राजनीतिक रूप से अपना पुनर्निर्माण कर रहे हैं। वैश्विक विकास मानवीय संबंधों, विशेषकर सीमा पार संबंधों को लेकर इस सम्मेलन के देश आगे बढ़ रहे हैं। इसकी ही वजह से आज एशिया और अफ्रीका के देश नजदीक आ रहे हैं और उनकी आर्थिकी एक-दूसरे पर निर्भर करती है। बांडुंग में इस बार सिर्फ औपचारिक आयोजन हुआ। लेकिन बांडुंग अब एशिया और अफ्रीका के घने होते रिश्तों का प्रतीक बन गया है। सम्मेलन के मुख्य सिद्धांत राजनीतिक आत्मनिर्णय, संप्रभुता के लिए परस्पर सम्मान, गैर-आक्रामकता, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना और समानता थे। ये मुद्दे सम्मेलन में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों के लिए केंद्रीय महत्व के रहे, जिनमें से अधिकांश हाल ही में औपनिवेशिक शासन से उभरे थे। इन्हीं सिद्धांतों को गुटनिरपेक्षता की नीति के मुख्य उद्देश्यों के रूप में बाद में अपनाया गया था। औपनिवेशिक डच ईस्ट इंडीज काल के दौरान बांडुंग का आधिकारिक नाम बांडोएंग था। बहरहाल ₹बांडुंग भावना₹ दक्षिण-दक्षिण सहयोग की भावना को प्रेरित करती है। इसे इस सम्मेलन के साठवीं सालगिरह पर आयोजित कार्यक्रम में एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के 100 से अधिक विकासशील देशों ने भाग लिया था। बांडुंग का महत्व यह है कि यहीं से एशिया और अफ्रीका के साथ लाने की पहल शुरू हुई थी। जैसे-जैसे अफ्रीका और एशिया के देश नजदीक आते जाएंगे, उनकी संस्कृतियां करीब आती जाएंगी, कारोबारी रिश्ते सुदृढ़ होते जाएंगे, वैसे-वैसे इस सम्मेलन का महत्व बढ़ता जाएगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार है)

बुधवार को पूजा के समय करें गणेश जी के इन मंत्रों का जाप

हिंदू धर्म में बुधवार का दिन भगवान गणेश को समर्पित होता है। इस दिन भगवान श्री गणेश की विधि-विधान से पूजा की जाती है। भगवान गणेश जी की पूजा करने से व्यक्ति को जीवन में आने वाली सभी बाधाओं से मुक्ति मिलती है। भगवान गणेश की पूजा करने से व्यक्ति की आय और सौभाग्य में वृद्धि होती है। हिंदू धर्म में भगवान गणेश को प्रथम पूज्य देवता माना जाता है। सभी तरह के शुभ कामों में सबसे पहले भगवान गणेश की पूजा की जाती है। भगवान गणेश की पूजा करने से जातक को आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है। ऐसे में अगर आप भी अपने करियर और कारोबार को नया आयाम देना चाहते हैं, तो बुधवार के दिन भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। भगवान गणेश की पूजा के समय इन मंत्रों का जाप करना चाहिए।

गणेश मंत्र

ऊँ वक्रतुण्ड महाकाय सूर्य कोटि समप्रभ।
निर्विघ्नं कुरू मे देव, सर्व कायेर्षु सर्वदा॥
ॐ एकदंताय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि,
तन्नो दंती प्रचोदयात ॥
ॐ महाकर्णाय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि,

तन्नो दंती प्रचोदयात ॥
ॐ गजाननाय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि,
तन्नो दंती प्रचोदयात ॥
ॐ श्रीं गं सौभाग्य गणपतये वर्वर्द सर्वजन्म में वषमान्य नमः।।
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं चिरचिर गणपतिवर वर देयं मम वाँछितार्थ कुरु कुरु स्वाहा ।
गणपतिर्विघ्नराजो लम्बतुण्डो गजाननः।
द्वैमातुरश्च हेरम्ब एकदन्तो गणाधिपः ॥
विनायकश्चारुकर्णः पशुपालो भवात्मजः ।
द्वादशैतानि नामानि प्रातरुत्थाय यः पठेत? ॥
विश्वं तस्य भवेद्वश्यं न च विघ्नं भवेत? क्वचित? ।
ॐ श्रीं गं सौभ्याय गणपतये वर वरद सर्वजनं में वशमानय स्वाहा।
ॐ वक्रतुण्डैक दंष्ट्राय क्लीं ह्रीं श्रीं गं गणपते वर वरद सर्वजनं मे वशमानय स्वाहा।।
श्रीगणेशमन्त्रस्तोत्रम्
शृणु पुत्र महाभाग योगशान्तिप्रदायकम ।
येन त्वं सर्वयोगज्ञो ब्रह्मभूतो भविष्यसि ॥
चित्तं पञ्चविधं प्रोक्तं क्षिप्तं मूढं महामते ।
विक्षिप्तं च तथैकाग्रं निरोधं भूमिसज्ञकम ॥
तत्र प्रकाशकर्ताऽसौ चिन्तामणिहृदि स्थितः ।
साक्षाद्योगेश योगेज्ञैर्लभ्यते भूमिनाशनात ॥
चित्तरूपा स्वयंबुद्धिश्चित्तभ्रान्तिकरी मता ।
सिद्धिर्मार्या गणेशस्य मायाखेलक उच्यते ॥
अतो गणेशमन्त्रेण गणेशं भज पुत्रक ।
तेन त्वं ब्रह्मभूतस्तं शन्तियोगमवापस्यसि ॥
इत्युक्त्वा गणराजस्य ददौ मन्त्रं तथारुणिः ।
एकाक्षरं स्वपुत्राय ध्यनादिभ्यः सुसंयुतम ॥
तेन तं साधयति स्म गणेशं सर्वसिद्धिदम् ।
क्रमेण शान्तिमापन्नो योगिवन्द्योऽभवत्ततः ॥
गणेश जी की आरती
जय गणेश जय गणेश, जय गणेश देवा।
माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा॥
जय गणेश जय गणेश...
एक दंत दयावंत, चार भुजा धारी।

सेहत

बढ़ती उम्र में जवां दिखने के लिए फायदेमंद होता है मेसो बोटोक्स

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक में कई ऐसी एक्ट्रेस हैं, जो बढ़ती उम्र में भी एकदम जवां दिखती हैं और उनकी स्किन भी यंग लगती है। फिर भले ही वह कितना भी कहें कि उनकी यंग स्किन के पीछे का राज अच्छा खानपान है। जबकि यह पूरी तरह से सच नहीं होता है। अभिनेत्रियां यंग दिखने के लिए बोटोक्स ट्रीटमेंट लेती हैं। लेकिन बहुत कम लोगों को इसके बारे में जानकारी नहीं है कि आखिर बोटोक्स और मेसो बोटोक्स में क्या अंतर है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मेसो बोटोक्स के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह भी जानेंगे कि यह किस तरह से काम करता है।

मेसो बोटोक्स का काम

अगर आप भी मेसो बोटोक्स कराने की सोच रहे हैं, तो इससे पहले यह जानना जरूरी है कि आखिर यह किस काम आता है। मेसो बोटोक्स एक ऐसा प्रोसेस है, जिसके जरिए बढ़ती उम्र के लक्षणों को छिपाया जाता है। अगर आपके चेहरे और आंखों के आसपास फाइन लाइन्स और झुर्रियां आदि हैं। तो आप मेसो बोटोक्स की मदद ले सकते हैं। इसके इस्तेमाल रोमछिद्रों के आकार को कम करने, तेल उत्पादन को कंट्रोल करने और फेस पर पसीना कम करने के लिए किया जाता है।

कैसे करता ये काम

मेसो बोटोक्स में चेहरे के खास हिस्सों पर हायलूरोनिक एसिड के साथ पतले बोटुलिनम टॉक्सिन का इस्तेमाल किया जाता है। इस ट्रीटमेंट में माइक्रो नीडल का उपयोग किया जाता है। आमतौर पर मेसो बोटोक्स का इस्तेमाल आंखों के नीचे झुर्रियां, माथे की बारीक झुर्रियां, मुंह का दबा हुआ कोण, नासोलैबियल फोल्ड, गर्दन और हाथ की झुर्रियों को हटाने में मदद किया जाता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज ब्रीफ

यूजी सेमेस्टर-2 की 26 अप्रैल को होने वाली परीक्षा स्थगित

दुमका : सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका ने स्नातक सेमेस्टर-2 की 26 अप्रैल को होने वाली ग्रुप-सी के मेजर-3 विषय की परीक्षा को अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया है। इस संबंध में विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग द्वारा गुरुवार को एक पत्र सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यों को भेजा गया है। परीक्षा नियंत्रक द्वारा जारी पत्र में उल्लेख किया गया है कि यह निर्णय अपरिहार्य कारणों से लिया गया है। स्थगित परीक्षा की नई तिथि बाद में अधिसूचित की जाएगी। जबकि अन्य सभी विषयों की परीक्षाएं पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही आयोजित की जाएंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी संबंधित कॉलेजों के प्राचार्यों एवं परीक्षा प्रभारी अधिकारियों से आग्रह किया है कि वे इस सूचना को समय पर छात्रों तक पहुँचाना सुनिश्चित करें, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। उल्लेखनीय है कि स्नातक सेमेस्टर-2 की परीक्षा 23 अप्रैल से 7 मई तक आयोजित की जा रही है। इस परीक्षा के सफल संचालन हेतु विश्वविद्यालय द्वारा कुल 23 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां लगभग 35,000 छात्र-छात्राएं सम्मिलित हो रहे हैं।

पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण समिति के सभापति ने की अधिकारियों के साथ बैठक

दुमका : झारखंड विधानसभा की पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण समिति ने गुरुवार को विभागीय अधिकारियों के साथ परिसदन में बैठक की। जिसकी अध्यक्षता समिति के सभापति सह सारठ विधानसभा क्षेत्र के झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी के विधायक उदय शंकर सिंह उर्फ चुन्ना सिंह ने की। उन्होंने क्रमवार खनन विभाग, प्रदूषण बोर्ड, वन प्रमंडल, पथ निर्माण सहित कई विभागों एवं विभिन्न उद्योग प्रतिनिधियों पर्यावरण संरक्षण व प्रदूषण नियंत्रण के दिशा में किए गए कार्यों की जानकारी ली। समिति ने समीक्षा के क्रम में विभिन्न औद्योगिक इकाईयों में पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण को लेकर तय मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त, वन प्रमंडल पदाधिकारी, निदेशक आईटीडीए, अपर समाहर्ता, जिला खनन पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती के लिए वॉक-इन इंटरव्यू

साहिबगंज : मुख्यमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य सुरक्षा योजना एवं प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने हेतु जिला प्रशासन साहेबगंज द्वारा विशेषज्ञ/अति विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती की जा रही है। इसके लिए वॉक-इन इंटरव्यू का आयोजन किया जाएगा।यह भर्ती साहेबगंज जिला अंतर्गत सदर अस्पताल, राजमहल एवं अनुमंडलीय अस्पतालों के लिए की जा रही है, जिसमें निम्नलिखित विभागों हेतु सेवाएं आमंत्रित की गई हैं।कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, पीडियाट्रिक्स, स्त्री एवं प्रसूति रोग, मनोरोग आदि।इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवारों से अनुरोध है। कि वे निर्धारित तिथि को वॉक-इन इंटरव्यू में भाग लें। चयनित चिकित्सकों को प्रति दिन सेवा मानदेय के आधार पर भुगतान किया जाएगा, जिसमें सामान्य विशेषज्ञों को ?500/प्रति घंटा तथा सुपर स्पेशलिस्ट को ?800/प्रति घंटा तक मानदेय दिया जाएगा।भर्ती की प्रक्रिया रोलिंग बेसिस पर रहेगी ।

मरीजों के साथ व्यवहार में संवेदनशीलता बनाए रखें : सिविल सर्जन

साहिबगंज : सिएचसी बरहेट में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, कर्मियों की उपस्थिति व ओपीडी आईपीडी एवं लैब सेवाओं के संचालन की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण करते हुए अधिकांश कर्मी उपस्थित पाए गए। आईपीडी और ओपीडी संचालन आईपीडी में भर्ती मरीजों को आवश्यक दवाएं व देखभाल ,रजिस्टरों का रखरखाव जैसे लैब में की जा रही जांचों, उपकरणों की नियमित कैलिब्रेशन,लैब टेक्नीशियन की उपस्थिति आदि को बारी बारी से देखा । उन्होंने सभी कर्मियों को समय पर उपस्थिति दर्ज कराने अपना निर्धारित कार्य ईमानदारी से करने एवं मरीजों के साथ व्यवहार में संवेदनशीलता बनाए रखने,बिपीएम व ब्लॉक टीम को नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा।

घाट मोहब्बतपुर में जल्द लगेगा ट्रांसफार्मर ग्रामीणों की समस्या होगी दूर : बरकत खान

साहिबगंज/बरहरवा : पथरिया पंचायत के घाट मोहब्बतपुर ग्राम में बाघमारा पोखर के पास स्थित ट्रांसफार्मर बीते 5-6 दिन से जल जाने के कारण परेशान पूरे गांव वाले ने जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान के आवासीय कार्यालय पर अहले सुबह पहुंचकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। ग्रामीणों ने कहा की पिछले 5 दिनों से बिजली ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण पूरा ग्राम अंधेरे में है,छात्रों के पठन पाठन एवं आम लोगों की रोजमर्रा के कार्यों में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों ने बरकत खान को लिखित आवेदन भी दिया। विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने संज्ञान में लेते हुए बिजली विभाग के पदाधिकारीयों से वातालांप कर यथाशीघ्र खराब बिजली ट्रांसफार्मर के स्थान पर नया ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली बहाल करने का आग्रह किया,विभागीय अधिकारियों ने जल्द बिजली ट्रांसफार्मर लगाने का आश्वासन दिया।मौके पर उपस्थित हसमत शेख,अंजारुल शेख, रमजान पासी, जगमोहन पासी,नासिक शेख, सुल्तान शेख, एजाज अहमद,नूरुल शेख,सैफुल शेख,बीरन पासी, सलाम शेख, रफीकुल शेख, मोहन पासी, आशीष शेख सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

आवासीय विद्यालय से तीन बच्चे भागे

पलामूः सदर प्रखंड के सुआ के सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय से तीन बच्चे भाग गए. तीनों बच्चे अंधेरे का फायदा उठाकर भागे हैं. आवासीय विद्यालय के वार्डन ने इसकी सूचना सदर थाना पुलिस और जिला प्रशासन को दी है.जानकारी मिलते ही जिला शिक्षा अधीक्षक और सदर सीओ मौके पर पहुंच मामले की जानकारी ली है और बच्चे की खोजबीन जारी है.

विद्यालयों में पठन-पाठन की गुणवत्ता पर कोई प्रभाव न पड़े : उपायुक्त

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में माध्यमिक शिक्षा स्थापना समिति एवं जिला शिक्षा समग्र परियोजना कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले की शैक्षणिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करना और इससे जुड़े प्रशासनिक पहलुओं की समीक्षा करना था।बैठक में उपायुक्त द्वारा प्रवरण वेतनमान से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, शिक्षकों के स्थानांतरण व पदस्थापन की प्रक्रिया को लेकर भी स्पष्ट निर्देश जारी किए गए। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि इन प्रक्रियाओं में पारदर्शिता त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि विद्यालयों में पठन-पाठन की गुणवत्ता पर कोई प्रभाव न पड़े।बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगार्नंद झा, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष तथा जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी उमेश कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं के कार्य को पूर्ण करने का कार्य करें : उपायुक्त

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में गुरुवार को जिले के उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में भू-अर्जन/पथ/एन.एच.ए.आईं./रेलवे से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि एन.एच.ए.आईं के सभी परियोजना के लिए भू अर्जन का कार्य पूर्ण करते हुए सभी प्रकार के मुआवजा का भुगतान करें एवं निर्धारित समयसीमा में कार्य को पूर्ण करें। कहा कि प्राथमिकता के आधार योजनाओं के कार्य को पूर्ण करने का कार्य करें। भू-अर्जन की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने पथ निर्माण विभाग द्वारा बनाए जा रहे पथों की प्रगति समीक्षा की। साथ ही संबंधित पदाधिकारी को कार्य में प्रगति लाने हेतु कई निर्देश दिए। कई जगहों पर सड़क की मरामत्ती से संबंधित निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने रेलवे परियोजना अंतर्गत विभिन्न कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारी को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। इस दौरान भू हस्तांतरण के मामले पर भी उचित निर्देश दिए। बैठक में अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, भू अर्जन पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

एसकेएमयू ने घोषित किया दो परीक्षाओं के लिए फॉर्म भरने की तिथि

दुमका : सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका ने गुरुवार को बिलिस और एमलिस सेमेस्टर-1 परीक्षा के लिए फॉर्म भरने की तिथि घोषित कर दिया। कुलपति प्रो. बिमल प्रसाद सिंह के निर्देश पर विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ जय कुमार साह ने गुरुवार को उक्त परीक्षाओ के लिए फॉर्म भरने से संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया गया

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज/बोरियो : प्रखंड के बड़ा तौकीर पंचायत के पंचायत भवन में मुखिया आरती कुमारी के अध्यक्षता में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया गया।मुख्य अतिथि के रूप में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष पूर्व मनरेगा लोकपाल अब्दुल सुभान ने अपने पंचायती राज व्यवस्था के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला गया।उन्होंने कहा की देश के संवैधानिक रूप से जो संस्थाएं जैसे राज्यसभा लोकसभा और विधानसभा का संचालन किया जाता है। ठीक उसी प्रकार 73 वां संशोधन संविधान संशोधन में श्री स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था का संचालन निहित किया गया है। जबकि ग्राम पंचायत विकास कार्यक्रम के अंतर्गत भारत सरकार के सतत विकास लक्ष्य के अंतर्गत पंचायती राज संस्थाओं द्वारा

अपने गए 9 व्यापक विषयों पर जैसे गरीबी मुक्त गांव पर्याप्त जल उपलब्धता वाला गांव हरा भरा गांव आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचा युक्त गांव सामाजिक सुरक्षा वाला गांव महिला हितैषी गांव बाल हितेषी गांव सुशासन युक्त विकसित गांव पर विस्तार से ग्रामीणों को संबोधित किया गया।बाल कल्याण समिति के सदस्य दिनेश शर्मा ने समाज में फैली लैंगिक और समानता पर चर्चा किया है मिशन वात्सल्य की योजनाओं को जमीन पर लाभ को लाभ मिले इसके लिए भी ग्रामीणों को संबोधित किया गया कार्यक्रम में संवाद की समन्वय अन्य टुडू बड़ा तौकीर पंचायत के पंचायत सचिव प्रियंका तिवडेवाल रोजगार सेवक पंचायत सहायक ग्राम प्रधान एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

नव नियुक्त बीटीएम और एटीएम का तीन दिवसीय प्रेरण प्रशिक्षण की शुरूआत

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : नव नियुक्त बीटीएम और एटीएम का तीन दिवसीय प्रेरण प्रशिक्षण की शुरूआत गुरुवार को संयुक्त कृषि भवन के समीप स्थित आत्म कार्यालय सभागार में किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन जिला कृषि पदाधिकारी,उद्यान पदाधिकारी, भूमि संरक्षण पदाधिकारी, केवीके के प्रधान सहित अन्य ने किया।प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला कृषि पदाधिकारी सह आत्मा परियोजना निदेशक ने प्रशिक्षण और विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। केवीके के प्रधान ने केवीके के आदेशों और खरीफ फसल की जानकारी दी।वहीं जिला उद्यान पदाधिकारी ने उद्यानिकी से संबंधित योजनाओं की और भूमि संरक्षण पदाधिकारी ने भूमि संरक्षण संबंधी योजनाओं की जानकारी दी।जबकि

जिला सहकारिता पदाधिकारी ने लैंप्स, पैक्स,फसल बीमा,धान अधिप्राप्ति व सहकारिता विभाग के योजनाओं की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त मिट्टी जांच प्रयोगशाला के सहायक मिट्टी रसायनज्ञ ने भी मौजूद बीटीएम और एटीएम को जानकारी दी।मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का,प्रधान कृषि विज्ञान केंद्र अमृत झा,उद्यान पदाधिकारी अमितेश रंजन, सहयक मिट्टी रसायंग अभिजीत शर्मा,भूमि संरक्षण पदाधिकारी राहुल कुमार गुप्ता,जिला कृषि अभियंता रामप्रकाश कुमार, जिला योजना एवं मूल्यांकन पदाधिकारी अरुण कुमार भोक्ता, उप परियोजना निदेशक आत्मा मंटू कुमार,कंचन कुमार सुमन सहित एटीएम,बीटीएम मौजूद थे।

लातेहार जिले को स्वच्छ व सुंदर बनाना है: उपायुक्त

मेट्रो रेज संवाददाता

लातेहार : राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित बहुउद्देशीय भवन में सॉलिड एवं लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएलआरएम) कार्यक्रम के तहत निर्मित तृतीयक पृथक्करण केंद्र का शुभारंभ हुआ।

इसका शुभारंभ डीसी उत्कर्ष गुप्ता, भारतीय हरित सेवा के परियोजना निदेशक, सलाहकार सी। श्रीनिवासन, जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी, आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराई, जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव व रेडक्रास सोसायटी के स्टेट पर्सन सुशील कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

उपायुक्त ने बताया कि जिला मुख्यालय स्थित बहुउद्देशीय भवन में निर्मित तृतीयक पृथक्करण केंद्र को आज पूर्ण रूप से क्रियाशील किया जा रहा। यहां पर एकत्रित कचरे का वैज्ञानिक ढंग से अंतिम पृथक्करण किया जाएगा। कहा कि इसके अतिरिक्त जिले के प्रत्येक प्रखंड में ऐसे पृथक्करण केंद्रों की स्थापना की योजना है जिससे संपूर्ण लातेहार में कचरे का समुचित और सुनियोजित प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

लातेहार झारखंड का पहला जिला है जहां सॉलिड एवं लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएलआरएम) कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। उन्होंने परियोजना निदेशक सलाहकार सी श्रीनिवासन का धन्यवाद देते हुए कहा कि कचरा प्रबंधन की अवधारणा के प्रति इनकी दृष्टिकोण, वर्गीकरण और पुनरुपयोग के मामले में क्रांतिकारी साबित हुआ है।

उन्होंने बताया कि स्वच्छ और हरित लातेहार की परिकल्पना को साकार करने के लिए जिला प्रशासन के द्वारा सॉलिड एवं लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएलआरएम) के तहत ह्लक्लीन एंड ग्रीन लातेहारह्व मिशन की शुरूआत की गई।

उपायुक्त ने कहा कि समाज को स्वच्छ रखना हम सभी लोगों की पहली जिम्मेदारी है। महिलाएं हमेशा समाज के लिए प्रेरणादायक रही हैं। सॉलिड एण्ड लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट पर परियोजना निदेशक, सलाहकार सी श्रीनिवासन के द्वारा अवांछित ठोस और तरल पदार्थों के उपचार और पुनर्चक्रण के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक प्रकाश डाला गया। मौके पर कई अधिकारी मौजूद थे।

कर्णपुरा पंचायत में उप विकास आयुक्त ने किया योजनाओं का निरीक्षण

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा द्वारा तालझारी प्रखंड अंतर्गत कर्णपुरा पंचायत में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा जल जीवन मिशन व अन्य कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन की स्थिति का जायजा लिया।निरीक्षण के क्रम में उप विकास आयुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित और निमार्णाधीन आवासों की गुणवत्ता की जांच की तथा लाभुकों से बातचीत कर योजना की पारदर्शिता एवं संतुष्टि की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करें। लाभुकों को समय पर भुगतान सुनिश्चित कराएं।मनरेगा योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। उप विकास आयुक्त ने उपस्थित श्रमिकों से बातचीत कर कार्यस्थल पर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली और उन्हें समय पर मजदूरी भुगतान का आश्वासन दिया।जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर नल से जल आपूर्ति की योजना की भी समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए योजना को शत-प्रतिशत घरों तक पहुँचाया जाए।निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी पवन कुमार, पंचायत प्रतिनिधि व अन्य विभागीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

350 ग्राम गांजा और छोटा वेइंग मशीन बरामद

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : अनुमंडलीय कार्यालय स्थित एसडीपीओ कक्ष में सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि गुरुवार को रसूलपुर दहला स्थित स्कूल के पास गांजा की खरीद बिक्री की सूचना पर पुलिस ने टीम का गठन कर सदर सीओ बासुकीनाथ टूडू के साथ छापामारी की। इस दौरान कारू दास उर्फ कृष्णा दास के गुमटी पर 350 ग्राम गांजा व छोटा वेइंग मशीन बरामद हुआ। वहीं कारू उर्फ कृष्णा 39 को गिरफ्तार कर लिया गया। जब्त गांजा का सीओ के समक्ष जब्ती सूची बनाई गई। वहीं नगर थाना में कांड संख्या 68/25 दर्ज कर अग्रतर अनुसंधान किया जा रहा है। एसडीपीओ ने बताया कि कृष्णा पर पूर्व में 4 केस चोरी का दर्ज है। केस आर्म्स एक्ट भी है। वहीं भागलपुर पीरपैंती थाना में भी उस पर मामला दर्ज है। मिजाचौकी में पूर्व में एनडीपीएस एक्ट के तहत जेल जा चुका है। उस पर नगर में भी केस है। एसडीपीओ ने बताया कि दर्ज गांजा की अनुमानित कीमत लगभग 5000 रुपये है। छापामारी में पुअनि प्रदीप कुमार महतो, आरक्षी मौके पर नगर इंस्पेक्टर अमित कुमार गुप्ता, एसआई पीके प्रभाकर, एसआई अनीश कुमार पांडेय, प्रदीप कुमार महतो, मुरली मनोहर सिंह, आरक्षी संतोष कुमार पंडित, सुधीर यादव अन्य मौजूद थे।

उपायुक्त ने किया परीक्षा केंद्र का निरीक्षण

दुमक : जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, दुमका एवं मुख्यमंत्री उत्कृष्ट कन्या विद्यालय, दुमका को ठळअ द्वारा आयोजित परीक्षा का परीक्षा केन्द्र बनाया गया है।

इसी क्रम में गुरुवार को जिले के उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे ने निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक, दुमका, अपर समाहर्ता, दुमका, अनुमंडल पदाधिकारी, दुमका, डीएलओ दुमका,जिला शिक्षा पदाधिकारी उपस्थित थे।

शर्मीला सोरेन रचित पुस्तक बाबूलाल मुर्मू 'आदिवासी' का हुआ विमोचन

मेट्रो रेज संवाददाता

दुमका : सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के कुलपति प्रो. डॉ. बिमल प्रसाद सिंह ने गुरुवार को विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर संथाली विभाग की प्राध्यापिका डॉ. शर्मिला सोरेन द्वारा लिखित एवं संपादित पुस्तक ₹बाबूलाल मुर्मू 'आदिवासी'₹ का विमोचन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। पुस्तक की लेखिका डॉ. शर्मिला सोरेन ने अपने संबोधन में कहा कि बाबूलाल मुर्मू ₹आदिवासी₹ जी का संताली भाषा और साहित्य को पहचान दिलाने में अतुलनीय योगदान रहा है। वे न केवल एक प्रतिष्ठित साहित्यकार थे, बल्कि एक कुशल कलाकार, संगीतकार और गीतकार भी थे। संताली भाषा के विभिन्न प्रकार के गीतों के वे ज्ञाता थे और उन्हें संताली वाद्ययंत्रों, विशेषकर बांसुरी में विशेष रुचि थी। उन्होंने बताया कि बाबूलाल मुर्मू केवल संताली भाषा के ही नहीं, बल्कि हिंदी, बांग्ला, अंग्रेजी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में भी दक्ष थे। उनकी कई रचनाएं आज विभिन्न विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में शामिल की गई हैं। वे अपने निजी जीवन में अत्यंत सरल थे और अपने वेतन का अधिकांश भाग साहित्य-सृजन और भाषा-संवर्धन में व्यय करते थे। उनका जीवन आदिवासी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

विमोचन समारोह के दौरान कुलपति प्रो. डॉ. बिमल प्रसाद सिंह ने डॉ. सोरेन के कार्य की सराहना की और कहा कि अकादमिक जगत में इस प्रकार के साहित्यिक योगदान अत्यंत सराहनीय हैं। उन्होंने डॉ. सोरेन को आगे भी लेखन कार्य जारी रखने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. जेनेन्द्र यादव, कुलसचिव डॉ. राजीव कुमार, वित्त पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार सिन्हा, सहायक डीएसडब्ल्यू डॉ. पूनम हेम्ब्रम, संथाली विभागाध्यक्ष डॉ. सुशील टुडू सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सभी ने डॉ. शर्मिला सोरेन के इस प्रयास की सराहना की और संताली भाषा-साहित्य में नए शोधों को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा ऐसे प्रयासों से आदिवासी भाषा-संस्कृति को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी।

पहलगाम हमले पर विवेक अग्निहोत्री ने जताया गहरा दुख

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से देशभर में आक्रोश फैल गया है। हर भारतीय इस दर्दनाक घटना की कड़ी निंदा कर रहा है। बॉलीवुड के कई सितारे भी इस हमले पर अपना दुख व्यक्त कर रहे हैं। अब भारतीय सिनेमा के मशहूर फिल्म निर्माता और निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने इस घटना पर गहरा दुःख जताया है। उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर इस हमले पर एक लंबा-चौड़ा नोट शेयर किया है। अग्निहोत्री ने लिखा, ₹सांप्रदायिक हिंसा सिर्फ शेष में लाशें छोड़ जाती है, बल्कि यह एक गहरा खालीपन भी छोड़ जाती है। जब घर राख में तब्दील हो जाते हैं, तो जिंदगियां भी बिखर जाती हैं और परिवार फिर कभी पहले जैसे नहीं होते। एक मां अपने बेटे की तलाश में दर-दर भटकती है। एक आदमी, जिसका विश्वास कभी प्रार्थना में था, अब गुस्से से कांप रहा है। यह धार्मिक कट्टरवाद की मानवीय कीमत है, जहां आस्था और विश्वास केवल हथियार बन जाते हैं, और मतभेदों का परिणाम मौत के रूप में सामने आता है।₹
अग्निहोत्री ने आगे लिखा, ₹मैं अपनी कला का उपयोग जागरूकता फैलाने के लिए करता हूं, क्योंकि कला कभी भी सत्य से भागती नहीं है। मेरी फिल्में सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं हैं। वे असहज सच्चाइयों से सामना कराती हैं, अहम सवाल उठाती हैं और दर्शकों को करुणा और मानवता की कमी का एहसास कराती हैं। मेरी फिल्में केवल कहानियां नहीं होतीं। मैं चौंकाने के लिए नहीं, बल्कि आपको कुछ महत्वपूर्ण याद दिलाने के लिए फिल्में बनाता हूं।
अग्निहोत्री काफी समय से अपनी फिल्म 'द दिल्ली फाइल्स' को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस के खास मौके पर यानी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज को टाल दिया है। यह फिल्म इस साल अगस्त में दर्शकों के बीच आने वाली है, हालांकि फिलहाल फिल्म की नई रिलीज तारीख का खुलासा नहीं किया गया है। इस फिल्म के निर्माता अभिषेक अग्रवाल और पल्लवी जोशी हैं।-

पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान की फिल्म 'अबीर गुलाल' भारत में नहीं होगी रिलीज

मुंबई : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पहले 'अबीर गुलाल' की रिलीज तारीख को टाल दिया गया था, लेकिन अब सरकार ने भारत में इस फिल्म की रिलीज पर रोक लगा दी है। हमले के बाद फिल्म के खिलाफ विरोध और भी तेज होने के बाद अब भारत सरकार ने इसे लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार 'अबीर गुलाल' को भारत में रिलीज नहीं होने दिया जाएगा। कई सिनेमाहॉल इस फिल्म को रिलीज करने के लिए तैयार नहीं थे, जबकि कई मनोरंजन संगठनों ने इसके बहिष्कार की मांग की थी। अब मंत्रालय ने भी फिल्म की रिलीज को अनुमति देने से साफ इंकार कर दिया है। पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान हाल ही में अपनी फिल्म 'अबीर गुलाल' को लेकर सुर्खियों में हैं, लेकिन सरकार के इस फैसले से इस फिल्म पर एक बड़ा संकट आ गया है। इससे पहले फिल्म 'अबीर गुलाल' के दोनों गाने 'खुदाया इश्क' और 'अंग्रेजी रंगरसिया' को यूट्यूब इंडिया से हटा दिया गया था। इतना ही नहीं, सारेगामा के यूट्यूब हैंडल से भी ये गाने हटा दिए गए, जबकि चैनल के पास फिल्म के आधिकारिक संगीत अधिकार थे। फिल्म को 9 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना था, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। दरअसल, पहलगाम में हुए आतंकी हमले के कारण 'अबीर गुलाल' की रिलीज को टाल दिया गया है।
फवाद खान ने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत फिल्म 'खूबसूरत' से की थी और इसके लिए उन्होंने फिल्मफेयर पुरस्कार भी अपने नाम किया था। इसके बाद फिल्म 'कपूर एंड सन्स' में भी उनके अभिनय की जमकर तारीफ हुई थी। साल 2016 में करण जौहर की रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'ऐ दिल है मुश्किल' रिलीज हुई थी, जिसमें फवाद ने एक डीए का किरदार निभाया था। यह फवाद की आखिरी भारतीय फिल्म थी। अब 9 साल बाद फवाद 'अबीर गुलाल' के जरिए बॉलीवुड में अपनी वापसी करने वाले थे।

वाणी कपूर और फवाद खान ने पहलगाम आतंकी हमले पर जताया दुख

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से अभिनेत्री वाणी कपूर सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना कर रही हैं। दरअसल, वाणी अपनी आगामी फिल्म 'अबीर गुलाल' में पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान के साथ नजर आने वाली हैं, जिस कारण सोशल मीडिया पर इस फिल्म के बॉयकॉट की मांग तेज हो गई है। अब इस पूरे विवाद के बीच वाणी कपूर ने भी पहलगाम आतंकी हमले को लेकर गहरा शोक व्यक्त किया है।
वाणी कपूर ने हाल ही में अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पहलगाम आतंकी हमले को लेकर शोक जताया है। उन्होंने लिखा, ₹पहलगाम में निर्दोष लोगों पर हुए हमले को देखकर मैं स्तब्ध हूं। यह बेहद दर्दनाक है। मेरे पास शब्द नहीं हैं। अभी भी सदमे में हूं। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों के परिवारों के साथ हैं।₹
अभिनेता फवाद खान ने भी पहलगाम आतंकी हमले को लेकर अपनी प्रतिक्रिया साझा की है। उन्होंने लिखा, ₹पहलगाम में हुए जघन्य हमले की खबर से गहरा दुख हुआ है। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं इस भयावह घटना के सभी पीड़ितों के साथ हैं। हम इस कठिन समय में उनके परिवारों को शक्ति और शीघ्र राहत की कामना करते हैं।₹ 'अबीर गुलाल' पहले 9 मई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन आतंकी हमले और बढ़ते विरोध को देखते हुए निर्माताओं ने फिलहाल फिल्म की रिलीज टाल दी है।-\

वरुण धवन ने फैंस संग धूमधाम से मनाया बर्थडे

अभिनेता वरुण धवन ने 24 अप्रैल को अपना 38वां जन्मदिन बड़ी ही खास तरीके से मनाया। इस मौके पर उन्होंने अपने सबसे खास लोगों, अपने फैंस के साथ जश्न मनाया, जो उनके दिल के सबसे करीब हैं। वरुण ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपने प्रशंसकों से घिरे नजर आ रहे हैं। वीडियो में वह न सिर्फ फैंस से मिलते हैं, बल्कि उनके साथ सेल्फी लेते, बातचीत करते और डांस करते हुए भी दिख रहे हैं। फैंस से इस मुलाकात ने वरुण का दिन बना दिया, वहीं वरुण को सामने देखकर फैंस की खुशी का भी ठिकाना नहीं रहा। सोशल मीडिया पर यह वीडियो खूब पसंद किया जा रहा है। वरुण धवन ने एक खास वीडियो शेयर करते हुए अपने फैंस के साथ जन्मदिन मनाने की खुशी जताई। उन्होंने लिखा, मैं अपना जन्मदिन उन लोगों के साथ मना रहा हूं, जो मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने रखते हैं, मेरे फैंस। वही लोग, जिनकी वजह से मैं आज यहां तक पहुंचा हूं।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद फिल्म 'अबीर गुलाल' की रिलीज फिलहाल टली

पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान की फिल्म 'अबीर गुलाल' 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली थी, लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मद्देनज़र फिल्म की रिलीज फिलहाल टाल दी गई है। नई रिलीज़ डेट की घोषणा अभी तक नहीं की गई है।
पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान पूरे 9 साल बाद बॉलीवुड में वापसी कर रहे हैं, जिसमें उनकी जोड़ी वाणी कपूर के साथ नजर आएगी। हाल ही में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने इस फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सोशल मीडिया पर फिल्म के बॉयकॉट की आवाजें तेज़ हो गईं हैं। अब इन विवादों के बीच 'अबीर गुलाल' के दोनों गाने 'खुदाया इश्क' और 'अंग्रेजी रंगरसिया' को यूट्यूब से हटा दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म 'अबीर गुलाल' के अब तक दो गाने 'खुदाया इश्क' और 'अंग्रेजी रंगरसिया' रिलीज़ किए जा चुके थे। हालांकि, अब ये दोनों गाने बिना किसी आधिकारिक स्पष्टीकरण के यूट्यूब इंडिया से हटा दिए गए हैं। इन गानों को सारेगामा के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया था, जो फिल्म के आधिकारिक म्यूज़िक राइट्स होल्डर हैं। फिलहाल, निर्माताओं की ओर से गानों को हटाने को लेकर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वाणी कपूर और फवाद खान के साथ-साथ फिल्म 'अबीर गुलाल' में रिद्धि डोगरा, फरीदा जलाल, सोनी राजदान, राहुल वोहरा और लीजा हेडन जैसे प्रतिभाशाली कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन आरती एस बागड़ी ने किया है।

फिल्म 'जाट' की कमाई में आई गिरावट, 14वें दिन 1.09 करोड़ रुपये की कमाई

साउथ के प्रसिद्ध निर्देशक गोपीचंद मलिनेनी के निर्देशन में बनी फिल्म 'जाट' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। खास बात यह रही कि इस फिल्म में सनी देओल लीड रोल में नजर आए हैं। फिल्म से दर्शकों और निर्माताओं को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा प्रभाव छोड़ने में नाकाम रही। अब रिलीज के 14वें दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ चुके हैं, जो फिल्म की अब तक की सबसे कम कमाई मानी जा रही है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के अनुसार फिल्म 'जाट' ने अपने रिलीज के 14वें दिन यानी दूसरे बुधवार को 1.09 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ ही फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन बढ़कर 79.22 करोड़ रुपये हो गया है। इस एक्शन ड्रामा में सनी देओल के सामने रणदीप हुड्डा मुख्य खलनायक के तौर पर नजर आ रहे हैं। रणदीप की दमदार परफॉर्मेंस को दर्शकों से काफी सराहना मिल रही है। विनीत कुमार सिंह ने भी फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और उनके अभिनय की भी खूब तारीफ हो रही है। बीते दिन सनी ने 'जाट' के सीक्वल का ऐलान किया था। उन्होंने लिखा था, 'अपने नए मिशन पर निकला जाट। 'जाट 2' के लिए हो जाएं तैयार।' रिपोर्ट्स की मानें तो सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद 'जाट' ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो सकती है। फिल्म का प्रीमियर अगले महीने की शुरुआत तक हो सकता है। बॉक्स ऑफिस पर 'जाट' का सामना अक्षय कुमार और आर माधवन की फिल्म 'केसरी 2' से हो रहा है।

एक्ट्रेस जानकी बोदीवाला बनीं 'मर्दानी-3' की नई शेरनी, फैंस को बेसब्री से इंतजार

अभिनेत्री रानी मुखर्जी एक बार फिर अपनी दमदार फ्रेंचाइजी 'मर्दानी' के तीसरे भाग 'मर्दानी-3' के साथ दर्शकों के दिलों पर राज करने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म को लेकर फैंस लंबे समय से बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एक बार फिर रानी पुलिस की वर्दी में एक सशक्त और बेखौफ अफसर के रूप में नजर आएंगी। इस बार फिल्म का निर्देशन अभिराज मीनावाला कर रहे हैं। अब फिल्म में जानकी बोदीवाला एंट्री हो चुकी है। साथ ही उनके किरदार से भी पर्दा उठ गया है, जो कहानी में एक अहम मोड़ लेकर आएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रानी मुखर्जी की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'मर्दानी-3' की स्टारकास्ट में अब जानकी बोदीवाला भी जुड़ चुकी हैं। इस फिल्म में जानकी एक पुलिस अधिकारी के किरदार में नजर आएंगी। खास बात यह है कि उन्होंने मुंबई में फिल्म की शूटिंग शुरू भी कर दी है। जानकी ने साल 2024 में फिल्म 'शैतान' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने अजय देवगन की बेटी का किरदार निभाया था। इससे पहले वह 2015 में गुजराती फिल्म 'छैलो दिवस' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत कर चुकी हैं। 'मर्दानी-3' की रिलीज डेट का खुलासा हो चुका है। यह फिल्म 27 फरवरी, 2026 को बड़े पर्दे पर दस्तक देने जा रही है। इस बार निर्देशन की बागडोर अभिराज मीनावाला ने संभाली है, जबकि फिल्म का निर्माण आदित्य चोपड़ा कर रहे हैं। 'मर्दानी' फ्रैंचाइज़ी की शुरुआत 22 अगस्त, 2014 को हुई थी और इसका दूसरा पार्ट 2019 में रिलीज हुआ था। फिल्म में रानी मुखर्जी एक जांबाज पुलिस अफसर शिवानी शिवाजी रॉय की भूमिका में नजर आई थीं। पहले भाग का निर्देशन प्रदीप सरकार ने किया था

आईपीएल: सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंचे विराट कोहली

एजेंसी

नई दिल्ली : इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल) में गुरुवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और राजस्थान रॉयल्स के बीच हुए मुकाबले के बाद सर्वाधिक रन बनाने वालों और विकेट लेने वालों की सूची में कई बदलाव हुए।

साई सुदर्शन शीर्ष पर कायम, कोहली दूसरे स्थान पर पहुंचे

गुजरात टाइटंस के युवा बल्लेबाज बी. साई सुदर्शन 417 रन बनाकर अब भी पहले स्थान पर बने हुए हैं। उन्होंने आठ मैचों में 52.12 की औसत और 152.18 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। वहीं, विराट कोहली ने लगातार दूसरा अर्धशतक जमाते हुए ऑरेंज

कैप की दौड़ में लंबी छलांग लगाई है। राजस्थान के खिलाफ उन्होंने 42 गेंदों में 70 रन बनाए और अब उनके नाम नौ पारियों में 392 रन हो गए हैं।

निकोलस पूरन खिसके, सूर्यकुमार चौथे नंबर पर

लखनऊ सुपर जायंट्स के निकोलस पूरन ने प्रतियोगिता की शुरूआत धमाकेदार अंदाज में की थी और काफी मैचों तक सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने रहे। लेकिन हाल के मुकाबलों में खराब फॉर्म की वजह से अब वह तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। उनके नाम 377 रन हैं। मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव इस सत्र में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने हर मैच में उपयोगी योगदान दिया है और अब 373 रनों के साथ चौथे स्थान पर हैं।

पर्पल कैप की दौड़: हेजलवुड ने पकड़ी रफ्तार

गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा अब भी सर्वाधिक विकेट लेकर पर्पल कैप धारक हैं। उन्होंने आठ मैचों में 16 विकेट लिए हैं। लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के जोश हेजलवुड ने राजस्थान के खिलाफ 4 विकेट लेकर 16 विकेट पूरे कर लिए हैं। हालांकि उनकी रनगति (इकोनॉमी रेट) अधिक होने के कारण वह दूसरे स्थान पर हैं।

12 विकेट लेने वाले गेंदबाजों की होड़

प्रसिद्ध कृष्णा और जोश हेजलवुड के बाद सात गेंदबाज ऐसे हैं जिनके नाम 12-12 विकेट हैं। इनमें आरसीबी के क्रुणाल पांड्या (2 विकेट बनाम राजस्थान) नया नाम हैं। अन्य गेंदबाजों में गुजरात टाइटंस के आर. साई किशोर और मोहम्मद सिराज, चेन्नई सुपर किंग्स के नूर अहमद, दिल्ली कैपिटल्स के कुलदीप यादव, मुंबई इंडियंस के हार्दिक पांड्या और लखनऊ सुपर जायंट्स के शार्दुल ठाकुर शामिल हैं।

आईपीएल 2025: आरसीबी ने घरेलू मैदान पर दर्ज की सीजन की पहली जीत, राजस्थान रॉयल्स को 11 रन से हराया

बेंगलुरु : आईपीएल 2025 के 42वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अपने घरेलू मैदान एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम पर शानदार प्रदर्शन करते हुए राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 11 रनों से शिकस्त दी। यह जीत आरसीबी की इस सत्र में अपने होम ग्राउंड पर पहली है और इसके साथ ही टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी की टीम ने 5 विकेट पर 205 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। ओपनर्स फिल सॉल्ट (26) और विराट कोहली (70) ने तेज शुरूआत करते हुए पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। कोहली ने अपनी 70 रनों की शानदार पारी में 8 चौके और 2 छक्के लगाए। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल (50 रन) ने विराट के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 105 रनों की अहम साझेदारी की। अंत में टिम डेविड (23 रन, 15 गेंद) और जितेश शर्मा (नाबाद 20 रन, 10 गेंद) की तेज पारियों ने स्कोर को 200 के पार पहुंचाया। राजस्थान की ओर से संदीप शर्मा ने दो विकेट, जबकि हसरंगा और जोफ्रा आर्चर ने एक-एक विकेट लिया। 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स की शुरूआत अच्छी रही। यशस्वी जायसवाल (49 रन, 19 गेंद) ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की, लेकिन उन्हें जॉश हेजलवुड ने आउट कर दिया। इसके बाद लगातार विकेट गिरते गए।

मैड्रिड ओपन से हटे कार्लोस अल्कराज, चोट बनी वजह

मैड्रिड : विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज स्पेनिश टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने मेड्रिड ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। पैर की चोट के कारण वे टूनार्मेंट में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। मैड्रिड में उनका मुकाबला शनिवार को होना था। अल्कराज ने बताया कि उन्हें ऊपरी पैर में पहले से चोट थी, जो उन्हें बीते रविवार को बार्सिलोना ओपन के फाइनल के दौरान भी परेशान कर रही थी। इसके अलावा, अब उनके बाएं पैर में भी चोट है। उन्होंने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही उन्होंने खेलने से इनकार करने का फैसला लिया। अल्कराज ने 2022 और 2023 में मैड्रिड ओपन का खिताब जीता था। इस बार वे टूनार्मेंट के दूसरे वरीय खिलाड़ी थे और उनका ड्रा नोवाक जोकोविच के साथ एक ही हाफ में था। बार्सिलोना फाइनल में होल्गर रून से हार के दौरान उन्हें ट्रीटमेंट लेना पड़ा था। अल्कराज ने कहा कि उनकी ये चोट फ्रेंच ओपन में खेलने में बाधा नहीं बनेगी। उन्होंने पिछले साल रोलां गैरो (फ्रेंच ओपन) में अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर खिताब जीता था। इस बार भी वे खिताब बचाने उतरेंगे। ज्वेरेव ने हाल ही में म्यूनिख ओपन जीतकर अल्कराज को पीछे छोड़ दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। अल्कराज ने इस साल अब तक 24 मुकाबलों में जीत और केवल 5 में हार दर्ज की है। उन्होंने फरवरी में रॉटरडैम (हार्ड कोर्ट) और अप्रैल में मोंटे कार्लो (क्ले कोर्ट) पर खिताब जीता है। हालांकि, हालिया कार्यक्रम को लेकर उन्होंने थकान की शिकायत भी की थी।

सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज 2025: कार्लसन की गैरमौजूदगी में प्रज्ञानानंद खिताब के प्रबल दावेदार

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्रैंड चेस टूर का हिस्सा सुपरबेट रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज टूनार्मेंट शनिवार से शुरू हो रहा है। इस प्रतिष्ठित टूनार्मेंट में इस बार नॉर्वे के स्टार खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन हिस्सा नहीं ले रहे हैं, जिससे भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद खिताब के सबसे बड़े दावेदारों में शुमार हो गए हैं। इस टूनार्मेंट में भारत की ओर से आर. प्रज्ञानानंद और अरविंद चिथंबरम भाग ले रहे हैं। कार्लसन की गैरमौजूदगी ने मुकाबले को पूरी तरह खुला बना दिया है और ऐसे में प्रज्ञानानंद की तेजी से खेले जाने वाले फॉर्मेट में सटीकता उन्हें बेहद खतरनाक खिलाड़ी बनाती है। उन्होंने इस साल टाटा स्टील मास्टर्स में विश्व चैंपियन डी. गुकेश को हराकर खिताब जीता था, जिससे उनके आत्मविश्वास में जबरदस्त इजाफा हुआ है। अरविंद चिथंबरम ने प्राग मास्टर्स में शानदार प्रदर्शन कर यह वाइल्ड कार्ड एंट्री हासिल की है। यह टूनार्मेंट उनके लिए बड़ी परीक्षा की तरह होगा, जहां उन्हें विश्व स्तरीय खिलाड़ियों का सामना करना है। फ्रांस के अलीरेजा फिरूजजा को भी खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। वहीं उनके हमवतन मैक्सीम वाचिए-लाग्रेव भी पिछले दशक में फ्रेंच खिलाड़ियों की छवि को आगे बढ़ाने की उम्मीदों के साथ उतरेंगे। पोलैंड के डूडा और अमेरिका के लेवोन अरोनियन भी खिताब की रेस में रह सकते हैं। विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन ने क्लासिकल फॉर्मेट में अपनी रुचि कम होने की बात स्वीकार करते हुए इस टूनार्मेंट से दूरी बना ली है। वे अब ह्यफ्रीस्टाइल चेसह्न की ओर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और हाल ही में लगातार दो टूनार्मेंट जीत चुके हैं। इस टूनार्मेंट में कुल पुरस्कार राशि 1,75,000 अमेरिकी डॉलर है, और इसके साथ-साथ पूरे सीजन के अंत में ग्रैंड प्राइज का हिस्सा बनने का मौका भी मिलेगा। हर टूनार्मेंट में प्रदर्शन के आधार पर अंक मिलते हैं, जो अंत में ग्रैंड चेस टूर के विजेता का फैसला करेंगे।

हरी खाद से बढायें मिट्टी की उर्वरा शक्तिः डॉ आशीष राय

एजेंसी

पूर्वी चंपारण : बिना सड़े पौधों का वह भाग जिसे हम मिट्टी में मिलाकर हरी खाद के रूप में उपयोग कर सकते हैं हरी खाद जैविक खेती का एक महत्वपूर्ण अवयव है इसका मुख्य उद्देश्य वायुमंडलीय नाइट्रोजन को मिट्टी में स्थिर करना एवं मिट्टी में कार्बनिक पदार्थ की मात्रा को बढ़ाना है।उक्त बाते जिला के परसौनी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा विशेषज्ञ डा.आशीष राय ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत के दौरान कही। उन्होने कहा कि असंतुलित रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग के कारण दिन प्रतिदिन मिट्टी की सेहत खराब हो रही है जिससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति का क्षरण हो रहा है। ऐसे में हरी खाद मिट्टी की सेहत के लिए बेहतर विकल्प है। हरी खाद मिट्टी को 17 पोषक तत्वों की आपूर्ति करने में सहायता करता है,साथ ही मिट्टी में हार्मोन तथा विटामिन की मात्रा भी बढ़ाता है। उन्होने बताया कि दलहनी फसलों को उनके वानस्पतिक वृद्धि काल में फूल आने के तुरंत बाद जुताई करके मिट्टी में

अपघटन के लिए मिलाकर हरी खाद बनाया जा सकता है।

खाद के लिए किन दलहनी फसलों का करे चुनाव

हरी खाद के लिए दलहनी फसलें कृषि जलवायु प्रक्षेत्र के अनुसार ली जाती है। ये फसलें कम समय में ही बहुतायत मात्रा में कार्बनिक पदार्थ उपलब्ध कराती है। दलहनी फसलों की वृद्धि शीघ्र होती है जिसके कारण खरपतवार की वृद्धि नहीं हो पाती है तथा मिट्टी में शीघ्र ही सड़ने योग्य हो जाती है। जिसमे प्रमुख हरी खाद के लिए ढैंचा, सनई, लोबिया, ग्वार, उड़द और मूंग को शामिल किया जा सकता है। गन्ने की खेती में गन्ना एवं सनई की फसल को साथ लगाने से 40-50 दिन बाद गन्ने में मिट्टी में चढ़ाने के समय सनई को मिट्टी में मिला कर हरी खाद बनाया जा सकता है।

हरी खाद मिट्टी में कब मिलाये

फसलों की जड़ों में जब गुलाबी/लाल ग्रंथियों का निर्माण होने की दशा में उसको पलट कर मिट्टी में मिला देना चाहिए। . मूंग में फलियों की तुड़ाई के पश्चात उसकी जुताई कर मिट्टी में मिलाकर हरी खाद तैयार कर सकते है।इसके लिए जुताई 15-20 सेमी की गहराई पर करे और फसल को मिट्टी में मिलाने के बाद खेत को पानी से भर देना चाहिए क्योंकि ज्यादा दिन हो जाने पर कड़ा हो जाने से इसके अपघटन की क्रिया सुचारू रूप से नहीं हो पाती है। फसल को मिट्टी में पलटने के पश्चात उसमें धान की रोपाई करे ऐसा करने से दोहरा लाभ मिलता है।क्योकी धान में नत्रजन की पूर्ति करने हेतु यूरिया का छिड़काव किया जाता है, उस क्रिया से हरी खाद की फसल के अपघटन में समय मिलता है। धान की फसल की पैदावार के साथ ही साथ अगली फसल के लिए पर्याप्त मात्रा में कार्बनिक पदार्थ उपलब्ध हो जाता है और मृदा संरचना में सुधार होता है तथा सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी उपलब्धता बढ़ जाती है।

हरी खाद उपयोग के मायने

बुवाई सही समय पर तथा सही बीज का उपयोग करना चाहिए।. मुख्य फसल से प्रतियोगिता ना हो इसका ध्यान रखा जाए फूल आने के पहले कटाई की जाए। पौधे के छोटे-छोटे टुकड़े में कटाई करनी चाहिए। . मिट्टी में इसे अच्छे से दबा देना चाहिए। हरी खाद को मिट्टी में दबाने के 2 सप्ताह के अंदर मुख्य फसल की बुवाई करनी चाहिए ताकि आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व का नुकसान न हो।

हरी खाद से होने वाले प्रमुख लाभ

. इससे मिट्टी में भौतिक एवं रासायनिक संरचना अच्छी होती है जिससे पानी का संचयन होता है। हरी खाद वायुमंडल में उपस्थित नाइट्रोजन को स्थिर करता है जिससे रासायनिक उर्वरकों की निर्भरता कम होती है। हरी खाद मिट्टी में गहरी जरी विकसित करता है जिसके कारण मिट्टी में वायु संचार अच्छा होता है और फंगस की बीमारी कम लगती है। सूक्ष्मजीवों के लिए यह खाद्य पदार्थ का काम करता है जो इन्हें खाकर बहुत तेजी से अपनी संख्या को बढ़ाते हैं जिससे अपघटन तेजी से होती है। हल्की तथा भारी दोनों प्रकार की मिट्टियों में कार्बनिक पदार्थ की वृद्धि से उपज में वृद्धि के साथ-साथ मिट्टी में हयूमस की मात्रा बढ़ने के कारण जल धारण क्षमता में वृद्धि होती है।

वर्जीनिया में एयरशो से पहले विमान क्रैश, पायलट रॉब हॉलैंड की मौत

एजेंसी

हैम्पटन : वर्जीनिया के लैंगली एयर फोर्स बेस पर गुरुवार को विमान क्रैश होने से एयरोबैटिक पायलट रॉब हॉलैंड की मौत हो गई। वह इस सप्ताहांत एयरशो में हिस्सा लेने वाले थे। रॉब हॉलैंड के इंस्टाग्राम अकाउंट पर उनकी मृत्यु की पुष्टि की गई है। एबीसी न्यूज के अनुसार, इंस्टाग्राम अकाउंट पोस्ट में लिखा गया, " रॉब हॉलैंड विमानन इतिहास में सबसे सम्मानित और प्रेरणादायक एरोबैटिक पायलटों में से एक थे। वह विनम्र स्वभाव के व्यक्ति थे। उनका एकमात्र लक्ष्य बस कल की तुलना में और बेहतर करना था।" संघीय विमानन प्रशासन के अनुसार, दुर्घटना गुरुवार दोपहर से कुछ पहले हुई। वन सीटर प्रायोगिक एमएक्स एयरक्राफ्ट एमएक्सएस उस समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया जब रॉब बेस पर उतरने का प्रयास कर रहे थे। हादसे की जांच की जा रही है। हॉलैंड को शनिवार और रविवार को बेस पर होने वाले एयर पावर ओवर हैम्पटन रोड्स एयरशो में हिस्सा लेना था। हॉलैंड की वेबसाइट के अनुसार, वह 13 बार यूएस नेशनल एरोबैटिक चैंपियन रहे। शो के आयोजनकर्ता इंटरनेशनल एरोबैटिक क्लब के अध्यक्ष जिम बॉर्के ने बयान में कहा, "रॉब को एक दोस्त, एक मार्गदर्शक, एक नेता और एक नवप्रवर्तक के रूप में याद किया जाएगा। रॉब के परिवार के दुख को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।" उल्लेखनीय है कि लैंगली एयर फोर्स बेस चेसापीक खाड़ी के दक्षिण-पश्चिमी किनारे के पास स्थित है। यह प्रतिष्ठान एफ-22 रैप्टर लड़ाकू विमानों के स्क्वाड्रन का घर है। उनमें से एक ने 2023 में अटलांटिक के ऊपर एक चीनी जासूसी गुब्बारे को मार गिराया था।

पहलगांव हमले के बाद हाई अलर्ट पर सहारनपुर पुलिस, रेलवे स्टेशन व अन्य कई स्थानो पर चलाया सघन चैकिंग अभियान

एजेंसी

सहारनपुर : जम्मू के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पूरे देशभर में सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। सहारनपुर में भी पुलिस प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हाई अलर्ट पर है। इसी कड़ी मे पुलिस प्रशासन द्वारा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, प्रमुख बाजारों व अन्य कई संवेदनशील स्थानों पर अचानक बड़े स्तर पर चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान में प्लेटफॉर्म, सकुर्लेटिंग एरिया, पार्सल कार्यालय, पार्किंग सहित पूरे रेलवे स्टेशन परिसर में सघन चेकिंग की गई। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर उनसे पूछताछ भी की गई। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए

गोल्डन टेंपल और नौचंदी एक्सप्रेस ट्रेनों में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। एसपी सिटी व्योम बिंदल के नेतृत्व मे सिटी सीओ अशोक सिसोदिया, जीआरपी सहारनपुर की सीओ श्वेता ओझा, जीआरपी एसएचओ संजीव कुमार, आरपीएफ टीम, डॉग स्क्वाड और बीडीएस टीम ने मिलकर सघन चैकिंग की। चेकिंग के दौरान यात्रियों को किसी भी तरह की असुविधा न हो, इसका भी विशेष ध्यान रखा गया। पुलिस अधिकारियों ने स्टेशन पर मौजूद यात्रियों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की अपील की। इसके अतिरिक्त थानाध्यक्षो द्वारा मयफोर्स अपने अपने थानाक्षेत्रों मे संवेदनशील स्थानों पर गहन चैकिंग व गश्त की गई। पुलिस प्रशासन का कहना है कि जब तक हालात सामान्य नहीं हो जाते, तब तक इसी तरह की सतर्कता और चेकिंग अभियान जारी रहेगा। रेलवे स्टेशन के साथ-साथ अन्य संवेदनशील स्थानों पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है।

पाकिस्तान के कब्जे में बीएसएफ जवान, बंगाल में घर पर कोहराम, मां की गुहार- बेटा सही सलामत घर लौट आए

एजेंसी

कोलकाता : पहलगाम आतंकी हमले के बीच एक और चिंताजनक खबर सामने आई है। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के रिषड़ा के रहने वाले बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार साउ को पाकिस्तान सेना ने हिरासत में ले लिया है। बीएसएफ के कोलकाता स्थित पूर्वी कमान मुख्यालय के एक शीर्ष अधिकारी ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि जवान के घर में मातम पसरा है। उनकी मां देवंती देवी बार-बार एक ही बात दोहरा रही हैं- ₹मेरा बेटा सही-सलामत घर लौट आए।₹पूर्णम कुमार साउ की पंजाब के फिरोजपुर सेक्टर में तैनाती है। बुधवार को वह ड्यूटी के दौरान गलती से सीमा पार कर पाकिस्तान में प्रवेश कर गए। इसके बाद पाकिस्तान के जवानों उन्हें पकड़ लिया। गुरुवार को यह सूचना उनके परिवार तक पहुंची। जवान की पत्नी रजनी साउ ने बताया, हमें उनके एक साथी से यह जानकारी मिली कि ड्यूटी पर रहते हुए उन्हें पकड़ा गया है। मंगलवार की रात उनकी मुझसे बात हुई थी। वह 17 वर्ष से बीएसएफ में हैं। हम चाहते हैं कि उन्हें जल्द से जल्द वापस लाया जाए।₹शीर्ष अधिकारी के अनुसार, बीएसएफ के उच्च अधिकारियों ने इसे गंभीरता से लेते हुए पाकिस्तान के अधिकारियों से फ्लैग मीटिंग शुरू की है। जवान की सुरक्षित वापसी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। परिजनों ने केंद्र सरकार से अपील की है कि वह हरसंभव प्रयास कर पूर्णम कुमार साउ को सुरक्षित भारत वापस लाए। पड़ोसी भी इस घटना से आक्रोशित हैं और जवान की वापसी की मांग कर रहे हैं। इस घटना से ठीक पहले जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में कई निदोर्षों की जान गई। इसके बाद देशभर में आक्रोश है। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि केंद्र सरकार के अधिकारी पाकिस्तान के संपर्क में हैं और जवान की रिहाई के लिए कूटनीतिक प्रयास जारी हैं।

अमेरिका ने रूस को दी चेतावनी, ट्रंप ने कहा-यूक्रेन से शांति समझौता न करने पर करना पड़ेगा प्रतिबंधों का सामना

एजेंसी

वाशिंगटन : अमेरिका ने रूस को यूक्रेन पर किए गए ताजा हमलों के बाद कड़ी चेतावनी दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि अगर यूक्रेन के साथ शांति समझौता नहीं हुआ तो रूस को प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि ट्रंप ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि उनका मानना है कि रूस, यूक्रेन पर हमले रोकने की उनकी अपील को गंभीरता से लेगा। दोनों देशों के बीच समझौता अभी भी संभव है। एबीसी न्यूज के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका लगातार रूस पर

यूक्रेन पर हमले रोकने के लिए दबाव डाल रहा है। ट्रंप ने दावा किया, आपको पता नहीं है कि हम रूस पर कितना दबाव डाल रहे हैं।₹ ट्रंप से पूछा गया कि यूक्रेन के साथ शांति योजना पर पहुंचने के लिए रूसी सरकार ने क्या रियायतें दी हैं? उन्होंने इसका स्पष्ट जवाब नहीं दिया।ट्रंप ने कहा कि वह गुरुवार को द अटलांटिक अखबार के प्रधान संपादक जेफरी गोल्डबर्ग से मिलने जा रहे हैं, जिन्हें अनजाने में सिग्नल चैट में शामिल कर लिया गया था। उल्लेखनीय है कि इस चैट में रक्षा सचिव पीट हेगसेथ सहित अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने यमन में हूथी विद्रोहियों पर हमले की योजनाओं पर चर्चा की थी।

गायघाट में अनुदानित मूल्य पर किसानों को मिल रहा मूंग व उडद बीज

एजेंसी

पूर्वी चंपारण : दलहन की खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार किसानो को अनुदानित मूल्य पर मूंग व उड़द का बीज उपलब्ध करा रही है। हरसिद्धि मे राष्ट्रीय कृषि योजना दलहन क्षेत्र विस्तार के तहत 2.72 क्विंटल मूंग व खाद्य एवं पोषक योजना के तहत अनुदानित दर पर 13.92 क्विंटल उड़द बीज वितरण आवंटित है। किसानो का चयन किसान सलाहकार व कृषि समन्वयक द्वारा किया गया है। किसान बीज के लिए ऑनलाइन डिमांड किये है। चयनित किसान डिमांड नंबर के साथ गायघाट स्थित बीआरबीएन के डीलर शिव शक्ति खाद बीज भंडार से बीज ले सकते है। किसानो को बीज बायोमेट्रिक ढंग से दिया जायेगा। बीज वितरण मे हरसिद्धि प्रखंड के प्रशिक्षु प्रखंड कृषि पदाधिकारी विक्रम राज, कृषि समन्वयक रामा प्रसाद सिंह, कृषि समन्वयक कृष्णा गुप्ता, किसान सलाहकार भारतेन्दु प्रसाद, ठाकुर जय राम सिंह, संतोष सिंह, अरविन्द कुमार भारद्वाज सहित अन्य कृषि कर्मियो को लगाया गया है।

कुत्ता बचाने के चक्कर में आटीर्का कार टेम्पो से टकराई टेंपो सवार 7 घायल ,3 की हालत गंभीर

जौनपुर : नगर कोतवाली थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा हुआ। क्षेत्र के बलुआघाट के पास सुबह 5 बजे कुत्ता बचाने के चक्कर में एक अर्टिका अनियंत्रित होकर टेम्पो से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेम्पो गहरी खाई में जा गिरी।हादसे में टेम्पो में सवार 7 लोग घायल हो गए। इनमें से 3 की स्थिति गंभीर है। घायलों में प्रदीप यादव (40), संदीप (35), राजकुमारी (32), सरिता (14), युवराज (8), दर्पण (10) और शीतल (12) शामिल हैं। सभी घायल गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के पचोरा गांव के रहने वाले हैं। यह परिवार मुंबई से ट्रेन के जरिए वाराणसी आया था।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान जोरदार मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान आमतौर पर खरीदारी होती रही। एशियाई बाजार में भी आज चौतरफा उत्साह का माहौल बना हुआ है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार तीसरे दिन तेजी का माहौल बना रहा। डाउ जॉन्स पिछले सत्र के दौरान 500 अंक की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 108.91 अंक यानी 2.03 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,484.77 अंक के स्तर

पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 457.99 अंक यानी 2.74 प्रतिशत उछल कर 17,166.04 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 40,148.73 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान आमतौर पर खरीदारी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स से 0.05 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 8,407.44 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.27 प्रतिशत उछल कर 7,502.78 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 102.54 अंक यानी 0.46 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,064.51 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में भी आज चौतरफा तेजी का माहौल बना हुआ है। एशिया के सभी 9 बाजारों के सूचकांक आज बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.35 प्रतिशत उछल कर 24,475.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,837.28 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने आज जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 425.63 अंक यानी 2.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,904.44 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 672.11 अंक यानी 1.88 प्रतिशत की बढ़त के साथ 35,711.26 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 302.22 अंक यानी 1.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,211.98 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 1.06 प्रतिशत की छलांग लगा कर 2,549.36 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.98 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,158.18 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.96 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,677.82 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 3302.19 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

हटाओ इरला नाले के पास से अतिक्रमण हाई कोर्ट का मुंबई मनपा को आदेश

मुंबई : बांबे हाई कोर्ट ने मुंबई महानगरपालिका को विलेपार्ले के जुहू पीवीआर के सामने इरला नाले के पश्चिमी व पूर्वी किनारों पर अतिक्रमण हटाने और सर्विस रोड को बहाल करने का आदेश दिया है। हाई कोर्ट में विले पार्ले में जुहू पीवीआर के सामने इरला नाले के पश्चिमी और पूर्वी किनारे पर सर्विस रोड पर अतिक्रमण हटाने, सर्विस रोड के जीर्णोद्धार और नाले की सफाई की मांग को लेकर एक सामाजिक कार्यकर्ता ने जनहित याचिका दायर की थी। मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति मकरंद कार्णिक की पीठ के समक्ष इस याचिका पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि वह नाले के पश्चिमी और पूर्वी किनारों पर अतिक्रमण हटाने के संबंध में पिछले आठ वर्षों से मनपा से संपर्क कर रहा है। मनपा की ओर से अदालत को बताया गया कि नाले के पश्चिमी किनारे पर अतिक्रमण हटाने का काम चल रहा है और यह काम जल्द ही पूरा हो जाएगा। जल्द सर्विस रोड को बहाल कर दिया जाएगा। याचिकाकताओं ने नाले के पूर्वी किनारे पर अतिक्रमण का मुद्दा भी अदालत के ध्यान में लाया। मनपा की ओर से बताया गया कि नाले के पूर्वी किनारे पर झुग्गी पुनर्वास (एसआरए) योजना के तहत एक परियोजना क्रियान्वित की जा रही है। इस योजना के तहत 33 पात्र अतिक्रमणकारियों के पुनर्वास के बाद नाले के पूर्वी किनारे पर सर्विस रोड को बहाल कर दिया जाएगा। कोर्ट ने मनपा की दलीलों को संज्ञान में लेते हुए अतिक्रमण हटाने और सर्विस रोड को बहाल करने का आदेश देते हुए याचिका का निपटारा कर दिया।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने संत शिरोमणि सेन महाराज की जयंती पर दी शुभकामनाएं

भोपाल : सत्य, अहिंसा और शांति के प्रतीक और सेन समाज के आराध्य देव संत शिरोमणि श्री सेन महाराज की आज शुक्रवार को जयंती है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा परम श्रद्धेय, संत शिरोमणि सेन जी महाराज की जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं। संत जी के चरणों में नमन-वंदन करता हूं।ज्ञान, आस्था एवं त्याग के माध्यम से भक्ति का मार्ग दिखाया, जिसने लोककल्याण की प्रेरणा दी। आपके ओजस्वी विचार सदैव सत्य, अहिंसा और प्रेम की ज्योत प्रज्ज्वलित करेंगे।

पहलगाम आतंकी हमला : शिक्षक साबिर हुसैन ने लिया धर्म त्यागने का फैसला, कहा- अब खुद को धर्महीन घोषित करूंगा

कोलकाता : पहलगाम में हुए दिल दहला देने वाले आतंकी हमले के बाद देशभर में गुस्से और आक्रोश का माहौल है। इसी बीच पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के एक शिक्षक ने इस घटना से आहत होकर इस्लाम मजहब त्यागने का निर्णय लिया है। बशीरहाट के बादुड़िया नगर पालिका क्षेत्र निवासी साबिर हुसैन स्वरूपनगर ब्लॉक के निर्माण आदर्श विद्यालय में विज्ञान विषय के शिक्षक हैं। उन्होंने एक वीडियो संदेश के माध्यम से यह घोषणा की कि वह अब किसी मजहब से संबंध नहीं रखना चाहते और जल्द ही कानूनी प्रक्रिया के तहत खुद को ₹मजहबहीन' घोषित करने की इच्छा रखते हैं। साबिर ने कहा कि मैंने पहले भी बादुड़िया में सांप्रदायिक हिंसा देखी है। देश और दुनिया में जो कुछ हो रहा है, वह मुझे अंदर से तोड़ चुका है। पहलगाम में जिस तरह से लोगों को उनके धर्म की पहचान पूछकर मारा गया, वह अमानवीय है। हम कहते हैं कि आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन इस घटना ने साफ दिखा दिया कि अब आतंकियों के भी मजहबी एजेंडे हैं। उन्होंने कहा कि वह किसी धर्म या समुदाय के खिलाफ नहीं हैं और उनका फैसला पूरी तरह व्यक्तिगत है। उन्होंने कहा कि मैं किसी के दबाव में नहीं हूं। लेकिन एक शिक्षक और एक संवेदनशील नागरिक के तौर पर मुझे लगा कि मुझे यह कठोर निर्णय लेना ही होगा।

संस्कार भारती द्वारा आयोजित कार्यक्रम बच्चों के लिए अच्छा मंच प्रदान कर रहा है : उद्धेश्वरी

बलरामपुर : सामरी में संस्कार भारती द्वारा आयोजित दस दिवसीय कला एवं साहित्य, गीत भजन एवं नाट्य कला कार्यक्रम का बीते शाम सरस्वती शिशु मंदिर प्रांगण में संपन्न हुआ। इस दौरान विधायक उद्देश्वरी पैकरा भी मौजूद रही। कार्यक्रम की शुरूआत में मां सरस्वती, भारत माता के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर शुरूआत की गई। कार्यक्रम में सभी कलाकारों द्वारा संस्कार भारती कार्यक्रम के तहत, चित्रकला, साहित्य, गीत, नाट्य कला प्रस्तुत करते हुए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। बच्चों के कार्यक्रम ने सभी का मन मोह लिया गया मुख्य अतिथि सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा ने संस्कार भारती के तहत कराए जा रहे कार्यक्रम गीत, संगीत, चित्रकला, नाट्य कला की सराहना करते हुए यह कहा कि इस कार्यक्रम से मन में अच्छे अच्छे विचार उत्पन्न होते है। साथ ही सभी कलाकारों को संगीत के माध्यम से एक अच्छा मंच संस्कार भारती कार्यक्रम के तहत प्रदान किया जाता है जो सराहनीय पहल है। सभी कलाकारों द्वारा चित्रकला, साहित्य, गीत, नाट्य कला को बहुत ही अच्छे ढंग से प्रस्तुत किया गया। नगर पंचायत उपाध्यक्ष आनंद जायसवाल ने कहा गया कि संस्कार भारती कार्यक्रम के तहत कुसमी के छोटे छोटे बच्चों को बहुत कुछ सीखने को मिली है।

छत्तीसगढ़ में बिजली की रिकॉर्ड तोड़ खपत , अप्रैल माह में बिजली की जरूरत 6800 मेगावाट के पार

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ में बढ़ती गर्मी के कारण बिजली की खपत और मांग बढ़ गई है। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत विभाग के लोड डिस्पैच सिस्टम द्वारा पीक टाइम में से रियल टाइम डिमांड के जारी आंकड़े के अनुसार इस वर्ष अप्रैल माह में ही प्रदेश में बिजली की जरूरत रिकॉर्ड 6800 मेगावॉट के पार पहुंच गई है। छत्तीसगढ़ बिजली वितरण कंपनी के एमडी भीम सिंह कंवर ने कहा की प्रदेश में बिजली की खपत अप्रैल में अधिकतम 6800 मेगावॉट तक पहुंची है। पिछले वर्ष इसी समय बिजली की खपत 6300 मेगावॉट के आस पास बनी हुई थी।

बिद्युत विभाग के अधिकारियों एवं बिद्युत नियामक बोर्ड के पूर्व सचिव रह चुके सेवा निवृत मुख्य अभियंता पी एन सिंह के अनुसार प्रदेश में औद्योगीकरण के साथ-साथ रबी फसल में धान की बोआई कारण बिजली की मांग बढ़ते जा रही है। छत्तीसगढ़ के जिलों में किसानों ने गर्मी में धान की फसल लगाई है. किसान बिजली के पंप से सिंचाई कर रहे हैं,इसका असर भी बिजली की मांग पर पड़ा है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण का अनुमान है कि वर्ष 2026-27 तक राज्य सरकार को अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए रोजाना 7661 मेगावॉट बिजली की जरूरत होगी। वर्ष 2016-17 में छत्तीसगढ़ को अपनी बिजली जरूरतों को पूरा करने के लिए 3875 मेगावॉट बिजली की आवश्यकता पड़ती थी। जो पांच साल बाद 2021-22 तक बढ़कर 5019 मेगावॉट हो गई। पांच वर्षों में बिजली की खपत में 1144 मेगावॉट की बढ़ोतरी हुई है। वितरण कंपनी ने आपूर्ति बनाए रखने के लिए कंपनियों से जो अनुबंध किया है उसके तहत बिजली मिल रही है और इसकी आपूर्ति प्रदेश में की जा रही है।राज्य में बिजली वितरण का काम ₹छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड₹ करती है। इसके अलावा, ऊर्जा उत्पादन के लिए जिंदल पावर, सारडा एनर्जी, एनटीपीसी और अडानी पावर जैसी कंपनियां भी काम कर रही हैं। उल्लेखनीय हो कि मार्च माह में रायपुर में हुए ह्यछत्तीसगढ़ एनर्जी इंवेस्टर्स समिटह्व में कई बड़ी कंपनियों ने 3 लाख करोड़ से ज्यादा के निवेश का ऐलान किया है।

न्यूज ब्रीफ

पचपन वर्ष पूर्व मित्र रहे लोगों को एक साथ उपस्थित करने का दायित्व पप्पू दोदराजका ने निभाया

ऐसे मित्र से मित्रता होती है मजबूत और इनपर है सबों को गर्व

बिनय मिश्रा : कभी साथ और इकट्ठा होकर स्कूल से कॉलेज तक पढ़ाई करने वाले मित्र वृद्धावस्था में एक साथ दिखाई पड़ेगे यह मजाक करार दिया जाएगा किंतु चक्रधरपुर निवासी वर्तमान समय में जमशेदपुर में निवास करने वाले गिरधारी दोदराजका ऊर्फ पप्पू दोदराजका ने 1971 से लेकर 1973 तक एक साथ पढ़ने वाले मित्रों को चक्रधरपुर स्थित सीकेपी दरबार में उपस्थित कराने का सकरात्मक प्रयास किया और सफल रहे। इनके मित्र कोई हैदराबाद तो कोई दिल्ली में रहते हैं परंतु इनके निमंत्रण पर सभी एक जगह इकट्ठा हुए इस ऐतिहासिक क्षण को अपनत्व और स्नेह के माहौल में सफल बनाया। इनके संदर्भ में यही कहा जा सकता है

कुछ भी नहीं रहता दुनिया में लोगों
रह जाती है दोस्ती
दोस्ती का नाम ज़िदगी
जिंदगी का नाम दोस्ती

विद्यार्थी का इंतजार कर रहा है विद्यालय

जलडेगा : प्रखंड अंतर्गत राजकीयकृत मध्य विद्यालय कारीमाटी का स्कुल सब पढ़ो सब बड़ो नारा को नाकारात्मक साबित कर रही है सरकार आज शिक्षा को मजबूत करने के लिए कई साराहणिय कदम उठा रही है लेकिन यह लाखों का खर्च से बना विद्यालय विद्यार्थी का इंतजार कर रहा है काश !...विद्यार्थी यहां आते और पढ़ते , यहां विद्यालय में एक हेडमास्टर प्यारा इक्का और एक सहायक शिक्षक नंद किशोर सिंह पदस्थापित हैं , किंतु यहां सिर्फ रोजाना तीन से पांच विद्यार्थी ही स्कूल आते हैं आदिवासी बहुल वाला यह गांव कारीमाटी में सैकड़ों परिवार एंव हजारों लोगों रहते हैं जिसमें अधिकतर परिवार गरीबी रेखा से नीचे हैं , पुरे गांव में सैकड़ों विद्यार्थी हैं जो हर रोज चिलचिलाती धूप, कड़के, ठंड और बरसते पानी में भी साइकल चलाकर 7 किलोमीटर लचडागढ़ स्कुल जाते हैं । परंतु क्यों गांव में स्कूल होते हुए भी हर छोटे-छोटे बच्चे इतने दूर स्कूल जाते हैं ? इसका सच्चाई पता लगाने पर विद्यार्थी से पता चला , स्कूल में पद स्थापित शिक्षक हेडमास्टर कभी समय पर स्कूल नहीं आते हैं, स्कुल में भी नशा पिकर आते हैं कुछ पढ़ाई नहीं होता है जिससे सभी बच्चा धीरे-धीरे स्कूल छोड़कर जा रहे हैं । सहायक शिक्षक नंद किशोर सिंह से पुछने पर पता चला कि उससे विद्यालय का विद्यार्थी हाजिरी पंजी तक उन्होने नहीं दिया जाता है कइ बार विद्यालय का रजिस्टर एवं विद्यार्थियों नहीं आने पर बातें किया किंतु उससे डांट कर भगा दिया ,उससे पुछा गया आप बच्चों को स्कूल नहीं भेजने पर गांव वालों या विद्यालय प्रबंध समिति से क्यों बैठक नहीं करते तो उन्होंने कहा कि अगर हम बैठक करेंगे तो मुझे ही नशा सेवन कर उद्दंड स्वभाव पेश करने लगेंगे।

घाघरा प्रखंड कार्यालय के परिसर में किया गया रक्त शिविर का आयोजन

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित घाघरा प्रखंड कार्यालय परिसर में उपायुक्त के निदेर्शानुसार रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।रक्तदान शिविर में सरकारी कर्मी,छात्र व ग्रामीणों द्वारा 23 यूनिट रक्तदान किया गया। मौके पर बीडीओ दिनेश कुमार ने कहा कि उपायुक्त गुमला के निदेर्शानुसार रक्तदान शिविर का आयोजन प्रखंड कार्यालय परिसर में किया गया है। जिसमें रक्तदाताओं ने रक्तदान किया है। रक्तदान महादान है। सभी लोग रक्तदान में अपनी सहभागिता निभाएं। आपका एक यूनिट रक्तदान करने से किसी की जान बच सकती है। किसी के परिवार की खुशियां लौट सकती है।कई ऐसी बीमारी है जिसमें प्रत्येक दिन रक्त की आवश्यकता होती है। हम सभी को इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की जरूरत है।ताकि किसी भी व्यक्ति का जान ब्लड के कारण ना हो। वहीं लोगों से आग्रह करते हुए कहा कि सभी कोई रक्तदान शिविर में पहुंचकर रक्तदान करें। मौके पर चिकित्सा प्रभारी डॉ अरविंद कुशल एक्का,बीपीआरओ शंकर साहू, बीपीओ देवी कुमारी बीपीएम ज्ञानरंजन,आलोक कुमार,रक्तदान करने वाले लोगों में बीपीओ बेबी कुमारी जसवंत महतो,जितेंद्र महतो,अखिलेश कुमार,अवधेश शिखर,शेख अनवर,आरिफ खान,बबलू खान, उतम कुमार,सहित कई नाम शामिल है।

घाघरा प्रखंड कार्यालय के परिसर में किया गया रक्त शिविर का आयोजन

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित घाघरा प्रखंड कार्यालय परिसर में उपायुक्त के निर्देशानुसार रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।रक्तदान शिविर में सरकारी कर्मी,छात्र व ग्रामीणों द्वारा 23 यूनिट रक्तदान किया गया। मौके पर बीडीओ दिनेश कुमार ने कहा कि उपायुक्त गुमला के निर्देशानुसार रक्तदान शिविर का आयोजन प्रखंड कार्यालय परिसर में किया गया है। जिसमें रक्तदाताओं ने रक्तदान किया है। रक्तदान महादान है। सभी लोग रक्तदान में अपनी सहभागिता निभाएं। आपका एक यूनिट रक्तदान करने से किसी की जान बच सकती है। किसी के परिवार की खुशियां लौट सकती है।कई ऐसी बीमारी है जिसमें प्रत्येक दिन रक्त की आवश्यकता होती है। हम सभी को इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की जरूरत है।ताकि किसी भी व्यक्ति का जान ब्लड के कारण ना हो। वहीं लोगों से आग्रह करते हुए कहा कि सभी कोई रक्तदान शिविर में पहुंचकर रक्तदान करें। मौके पर चिकित्सा प्रभारी डॉ अरविंद कुशल एक्का,बीपीआरओ शंकर साहू, बीपीओ देवी कुमारी बीपीएम ज्ञानरंजन,आलोक कुमार,रक्तदान करने वाले लोगों में बीपीओ बेबी कुमारी जसवंत महतो,जितेंद्र महतो आदि शामिल थे।

परमवीर अल्बर्ट एक्का कृषि मेला-सह कार्यशाला का हुआ विधिवत उद्घाटन

किसान कृषि की नई तकनीक सीखें : मंत्री

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित चैनपुर प्रखंड के बरवे मैदान में आज दो दिवसीय परमवीर अल्बर्ट एक्का कृषि मेला-सह कार्यशाला का विधिवत उद्घाटन कृषि एवं पशुपालन सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलित करके की गई। इस कार्यक्रम से पूर्व मंत्री शिल्पा नेहा तिर्की ने चैनपुर स्थित परमवीर अल्बर्ट एक्का की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने वहां उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह पहली बार है, जब कृषि मेला के साथ साथ ही कृषि कार्यशाला का आयोजन हो रहा है। इस मेले एवं कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य किसानों को नई एवं उन्नत तकनीक एवं कृषि यंत्रों की जानकारी देना। साथ ही साथ कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं की पूर्ण जानकारी किसानों को यहां एक जगह प्राप्त हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि योजनाओं की सही जानकारी के अभाव में किसान योजनाओं के लाभ से वंचित हो जाते या फिर बिचौलिए के चक्कर में उलझ कर रह जाते। और अंततः उन्हें योजना का लाभ मिल ही नहीं पाता।

मंत्री ने यह भी कहा कि गुमला के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में इस प्रकार का मेला होना एक अच्छी पहल है। जिला मुख्यालय या उसके आसपास के क्षेत्रों में इस प्रकार का आयोजन होने से दूर दराज के ग्रामीण किसान इन अवसरों से वंचित रह जाते। किसान कृषि की नई तकनीक सीखें एवं कृषि यंत्रों के का उपयोग करें। विभाग द्वारा अनुदान पर कृषि यंत्र दिए जाते हैं। इस क्षेत्र के लोग रोजगार के लिए अन्य राज्यों में पलायन करते है। इस स्थिति में कृषि को और बढ़ावा देना आवश्यक है। जिससे कि युवाओं का रुझान खेती बाड़ी की ओर बढ़े और इस सुदूरवर्ती क्षेत्र में कृषि कार्य में लोग शामिल हो सके।

सही जानकारी एवं यंत्रों के साथ कृषि कार्य करने से परिणाम बेहतर मिलेंगे - कृषि सचिव

इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कृषि सचिव अबू बकर सिद्दीकी ने कहा कि किसानों को कई दफा कृषि कार्य की सही जानकारी नहीं होती। इस कारण उन्हें कई बार नुकसान का सामना करना पड़ता। इसलिए खेती बाड़ी के लिए सही जानकारी होना बहुत जरूरी है। फसल लगाने की सही समय,सही बीज, बेहतर कृषि यंत्र इत्यादि इन सब की सही जानकारी किसानों को होना आवश्यक है। इस मेले के माध्यम से किसानों की यह जरूरत पुर्ण होगी। और उन्हें कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की भी पूर्ण जानकारी मिल सकेगी।

इस मेले का उद्देश्य सुदूरवर्ती क्षेत्र के ग्रामीण किसान लाभान्वित हो ,

इस कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त, गुमला कर्ण सत्यार्थी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जिला मुख्यालय में इस तरह के आयोजन होने से गुमला जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्र के ग्रामीण इन अवसरों से वंचित हो जाते थे। लेकिन इस बार चैनपुर एवं आसपास के प्रखंड के किसानों को इसका लाभ अवश्य मिलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस मेले में सभी विभागों से लगभग 50 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। जिसमें किसानों को कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी मिल सकेगी साथ ही साथ कृषि यंत्रों के बारे में भी जानकारी मिलेगी।

दो दिवसीय अनुमंडल स्तरीय कृषि मेला-सह कार्यशाला

चैनपुर प्रखंड के बरवे मैदान में अनुमंडल स्तरीय दो दिवसीय (24 एवं 25 अप्रैल) एलबर्ट एक्का कृषि मेला सह कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इस मेले में किसानों को कृषि, मत्स्य,बागवानी एवं डेयरी से संबंधित सभी जानकारी प्राप्त होगी। साथ ही साथ सफल किसानों द्वारा अपने -अपने विचार साझा किए जाएंगे।

कृषि मेला सह कार्यशाला का आकर्षण*

कृषि मेला सह कार्यशाला में अलग-अलग विभाग के द्वारा 50 से अधिक स्टॉल लगाए गए है। ग्रामीण इलाकों से किसान अपने सब्जी, फल, फसल के साथ इस मेला में आएं हैं। इस मेले में जिला मत्स्य कार्यालय द्वारा कुल 5 स्टॉल लगाया गया।

इस अवसर पर कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के सचिव,उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, चैनपुर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी,जिला वन पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, परमवीर अल्बर्ट एक्का के सुपुत्र,जिला परिषद सदस्य एवं अन्य सभी सम्बन्धित पदाधिकारी उपस्थित थे।

विस्थापितों का हक छीना गया तो संघर्ष होगा : विस्थापित मुक्ति वाहिनी

सरायकेला : झारखंड सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा चांडिल डैम से विस्थापितों के हक छीनने के प्रयास का विस्थापित मुक्ति वाहिनी (विमुवा) ने कड़ा विरोध किया है. इसे लेकर चांडिल बांध स्थल पर गुरुवार को विस्थापित मुक्ति वाहिनी की बैठक हुई.

बैठक में कहा गया कि चांडिल बांध में नौका विहार का संचालन अधिकार विस्थापितों की सहकारी समिति के बजाय गिरिडीह की एक निजी एजेंसी को सौंप दिया गया है जो पुनर्वास नीति 2012 के प्रावधानों का खुला उल्लंघन है.

पुनर्वास नीति में स्पष्ट रूप से लिखा हुआ है कि जलाशय क्षेत्र के मत्स्य उद्योग एवं पर्यटन उद्योग संबंधी संभावनाओं के दोहन में भी विस्थापितों को संबद्ध किया जाएगा तथा जलाशय में मत्स्य पालन के लिए नवसृजित जलधार की बंदोबस्ती विस्थापितों के समूहों के साथ किया जाएगा, जिससे विस्थापित परिवारों के आर्थिक पुनर्वास से इस परिसंपत्ति को संबद्ध किया जा सके.

बैठक में निर्णय लिया गया कि विस्थापितों के अधिकारों पर किसी भी प्रकार के हमले का सड़क से लेकर न्यायालय तक प्रतिबाद किया जाएगा. जयदा शहीद दिवस के अवसर पर 30 अप्रैल को शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद अधिकारियों को विस्थापितों एवं चांडिल क्षेत्र की जनता के अन्य मांगों से अवगत कराया जाएगा, ताकि उसका समुचित समाधान हो सके.

कहा कि चांडिल क्षेत्र में न तो वन अधिकार कानून का सही तरीके से अमल किया जा रहा है और न ही हाथियों द्वारा किए जा रहे उत्पात को वन विभाग रोकने में सक्षम है. जनता दहशत में जीने पर विवश है. इस क्षेत्र को औद्योगिक हब बनाने की कोशिश चल रही थी और अब यह प्रदूषण हब बन कर रह गया है.

कहा कि कंपनियों के प्रदूषण ने तो जीवन को नर्क बना दिया है. विस्थापितों की दुर्गति की गाथा का तो अंत ही नहीं है. विगत दो वर्षों से सारे पुनर्वास कार्य ठप पड़े हैं. आवासीय भूखंडों का न तो मालिकाना दिया गया है और न ही पुनर्वास स्थलों का सीमांकन कार्य पूरा हुआ है. लिफ्ट इरीगेशन द्वारा सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के बारे में तो किसी को चिंता ही नहीं है.

बैठक में श्यामल मार्डी, अंबिका यादव, नारायण गोप, किरण बीर, ईश्वर गोप, पंचानन महतो, देवेन महतो,बासु घुनिया, डोमन बास्के, अरविंद अंजुम आदि शामिल थे.

खबर प्रकाशित होते ही मनरेगा फर्जी निकासी का किया गया भुगतान

फर्जी निकासी का मामला को पैसा देकर किया गया निपटने का प्रयास

कोलेबिराः प्रखंड अंतर्गत काल्हाटोली में मनरेगा मास्टर रोल से फर्जी निकासी का मामला प्रकाश में आया , जिसमें बिना काम किए लोगों को मजदूर बनकर पैसा निकाला गया था ।

मामला पहला :-नीलम बिरजो का मेढ़ बंदी जिसका योजना संख्या 3404005002/708090252246 2 स्वीकृति तिथि 14/03/2023है जिससे 35190 रूपया फर्जी निकासी हुआ है

दूसरा मामला :-प्रकाश डांग का खेत में एक एकड़ जमीन पर बरसा हरित ग्राम योजना का योजना संख्या 3404005002/080903202081 में कुल 49504 रूपए अवैध निकासी हुआ है

तीसरा मामलाः- प्रतिमा डांग के जमीन पर बरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना निर्माण किया गया है जिसका योजना संख्या 3404005002/708090277990 7 स्वीकृति तिथि 07/07/2023 है जिससे कुल 84643 रुपया आवाज निकासी हुआ है ।

चौथा मामला :- अगस्तुस डांग के जमीन में बिरसा हरित ग्राम योजना संचालित किया गया है जिसे फर्जी मास्टर रोल भरकर 44591 रुपया निकासी हुआ है ।

न्यूज आते ही मनरेगा लोकपाल पुष्पा कुमारी ,प्रखंड विकास पदाधिकारी विरेंद्र किंडों , सहायक इंजीनियर नितेश कुमार ,बीपीओ संजिता कुमारी ने जांच हेतु कार्यस्थल पहुंच कर लाभुकों से बातचीत किया किंतु अधिकारी के पहुंचने से पहले ही रोजगार सेवक विजय साहू , मुखिया जिरेन डांग और मेठ सुनिल बा ने घर घर जाकर लाभुकों और मनरेगा श्रमिकों को पैसा वापस करने का किया प्रयास जिसमें प्रकाश डांग , प्रतिमा डांग अगस्तुस डांग एवं मनरेगा श्रमिक को रातों रात पैसा भुगतान किया गया , वहीं नीलम बरजो जिसका खेत में एक कुदल नहीं चला है उससे भी पैसा देकर समझने का प्रयास किया गया किंतु लाभुक का कहना है, पैसा कैसे निकाला गया मुझे कुछ भी पता नहीं है इसलिए हम पैसा नहीं ले सकते । जांच के रूप में उपस्थित मनरेगा लोकपाल और प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा जांच के बाद आवश्यक कार्य की जाएगी।

उपायुक्त ने अनुकंपा पर सौंपा नियुक्ति पत्र

लोहरदगा : सरकार के उप सचिव, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखंड, रांची के द्वारा स्वीकृत्यादेश एवं जिला अनुकंपा समिति-सह-नियुक्ति समिति की बैठक में लिये गये निर्णय के आलोक में आज उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण द्वारा प्रतिमा देवी को अनुकंपा के आधार पर चतुर्थवर्गीय पद पर नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। प्रतिमा देवी के पति स्वर्गीय विकास कुमार, ग्राम-कुडू, थाना-कुडू, जिला-लोहरदगा की नवम्बर 2022 में हुए उग्रवादी हिंसा में मौत हो गयी थी। मृतक की आश्रित पत्नी प्रतिमा देवी को नियुक्ति-पत्र प्रदान करने के उपरांत उपायुक्त ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

स्कूल में अचीवर्स डे कार्यक्रम का आयोजन

चक्रधरपुरः चक्रधरपुर की संत जेवियर्स इंग्लिश मीडियम स्कूल में गुरुवार शाम अचीवर्स डे का आयोजन किया गया. इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि चक्रधरपुर रेल मंडल के मंडल प्रबंधक तरुण हुरिया, विशिष्ट अतिथि नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष कृष्णदेव साह उपस्थित थे. इस अवसर पर सबसे पहले स्कूल की छात्राओं ने स्वगात गान पेश कर अतिथियों का स्वागत किया. इसके बाद डीआरएम व स्कूल के फादर पाथुमाई राज ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. कार्यक्रमके दौरान बच्चों ने एक से बढ़कर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान एक से बढ़कर एक गीत, नृत्य की प्रस्तुति दी. जिसे सभी ने खूब सराहा. वहीं स्कूल के परीक्षाओं में बेहतर अंक प्रदान करने वाले छात्र-छात्राओं को डीआरएम ने पुरस्कार व प्रमाण पत्र देकर हौसला बढ़ाया.

बैक टू स्कूल कैंपेन : स्कूल रुआर 2025 के लिए कार्यशाला का आयोजन

मेट्रो रेज संवाददाता

लोहरदगा : लोहरदगा सदर प्रखंड क्षेत्र में शिक्षा से वंचित बच्चों के लिए प्रखंड स्तरीय बैक टू स्कूल कैंपेन अंतर्गत रुआर 2025 उन्मुखी कार्यशाला का आयोजन प्रखण्ड सभागार लोहरदगा में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, लोहरदगा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

उक्त कार्यशाला लोहरदगा सदर प्रखंड मुख्यालय प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, लोहरदगा कार्यालय के सभागार में झारखंड शिक्षा परियोजना के निर्देश पर प्रखण्ड के सभी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्रभारी शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ आयोजित किया गया। जिसमें बच्चों के भविष्य संवारने पर विस्तृत चर्चा करते हुए बताया गया कि गांव मुहल्ले के बच्चे बच्चियां किसी कारण से विद्यालय में नामांकित नहीं है। वैसे छीजित बच्चों को विद्यालय वापस लाने तथा विद्यालयों में शत प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ प्रखंड स्तरीय स्कूल रुआर उन्मुखी कार्यशाला किया गया।

आयोजित उन्मुखीकरण कार्यशाला का उद्घाटन प्रखण्ड विकास पदाधिकारी,लोहरदगा, प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, लोहरदगा, प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी,लोहरदगा द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

प्रखण्ड विकास पदाधिकारी,लोहरदगा ठाकुर गौरीशंकर शर्मा ने शिक्षक शिक्षिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्कूल रुआर 2025 अभियान को सफल बनाने के लिए हर संभव प्रयास करनी है। शिक्षकों की शत प्रतिशत जिम्मेवारी है कि अपने पोषक क्षेत्र के बच्चों के समग्र विकास में अपनी भूमिका सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने बताया कि रुआर कार्यक्रम की विभिन्न गतिविधियों का आयोजन विद्यालय स्तर पर निर्धारित तिथि को नियमित रूप से किया जाए ताकि इस महवपूर्ण अभियान को सफल बनाया जा सके।

प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, लोहरदगा, राजीव रंजन ने संबोधित करते हुए कहा कि 5 से 18 आयु वर्ग के बच्चों का नजदीकी बच्चों का शत प्रतिशत नामांकन कराया जाना है। साथ ही पार गमन ट्रांजीशन वर्ग प्रोन्नति भी शत प्रतिशत हो यह सुनिश्चित किया जाय।

सीआरपी जीतेन्द्र मित्तल द्वारा रुआर के उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। स्कूल रुआर कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के नामांकित सभी बच्चों का विद्यालय में शतप्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करना। और उनका रिकॉर्ड डाटा एंट्री फॉर्म प्रारूप में अपडेट करना है। विद्यालय से बाहर रह गए बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन एवं उपस्थिति सुनिश्चित करना तथा अप्रवासी और अनामांकित एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का नामांकन एवं उपस्थिति सुनिश्चित करना ही स्कूल रुआर का मुख्य उद्देश्य है। इसके अलावे पी आर आई एवं ग्राम पंचायत समिति का बैठक कर विद्यालय में छात्र छात्राओं का उपस्थिति बढ़ाने की रणनीति तैयार करना सभी बच्चों की उपस्थिति ई विद्या वाहिनी में दर्ज कराना और नियमित अनुश्रवण करना है। स्कूल रुआर के तहत विद्यालय स्तर पर 10 मई 2025 तक चलने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी प्रोजेक्टर के माध्यम से उपस्थित सभी शिक्षक शिक्षिकाओं को दिया गया। कार्यशाला में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, मंजू कुमारी, प्रखंड साधन सेवी, अनंत शर्मा, सिनी टाटा ट्रस्ट के प्रतिनिधि तरुण कुमार, प्रजायत्ना के अनिल त्रिपाठी के अलावे प्रखण्ड क्षेत्र के सभी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रभारी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित हुए।